प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-108 | सांध्य दैनिक | मथुरा, रविवार, 14 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

अधिक मास में हर कोई रहा भगवान के सामने नतमस्तक, ब्रज में खूब बरसी लक्ष्मी

भक्ति के सागर में करोड़ों ने लगाई परिक्रमा

वृंदावन की परिक्रमा लगाते श्रद्धालुओं का नजारा।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अधिक मास में इस बार बृज में उमड़े श्रद्धालुओं के आस्था के सैलाब को देखकर हर कोई हैरान रह गया। बृज चौरासी कोस की परिक्रमा में हर रोज लाखों की संख्या में महिला, पुरुष वृद्ध और बच्चे के नंगे कदमों को गर्मी और तपती धूम भी रोक नहीं पाई। मानों हर कोई अपनी मुराद पाने के लिए मंजिल की ओर तेजी से बढ़ता दिखाई दिया। सैंकड़ों की संख्या में श्रद्धालु अपनी मनोकामना को पूरी कराने के लिए दंडौती परिक्रमा भी करते नजर आए। अधिक मास में करीब तीन लाख श्रद्धालु हर रोज परिक्रमा करते नजर आए।

बृज में अधिक मास 17 मई से शुरू हुआ। इसका समापन 15 जून को हो जाएगा। इस बार बृज में बृज चौरासी कोस की परिक्रमा करने के लिए बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं का मानों जन सैलाब ज़मड़ पड़ा। परिवार के परिवार अपने बच्चे और बूढ़े माता पिता आदि के साथ बृज में होने वाले श्रद्धा और भक्ति के समुंद्र में ढुबकी लगाने के लिए आतुर दिखाई दिए। भीषण गर्मी और तपती जमीन पर नंगे पांव अपने मन में भगवान की अलख जगाए स्मरण करते श्रद्धालु अपनी मनोकामना को पूर्ण कराने के लिए परिक्रमा में समर्पित भाव से आगे बढ़ते नजर आए। यही नहीं परिक्रमा में सैंकड़ों की संख्या में ऐसे श्रद्धालु भी थे जो तपती धूप और गर्म जमीन की परवाह किए बगैर दंडौती परिक्रमा पूरी कर रहे थे। उनके परिवार के लोग भी उनके साथ चल रहे थे। इस तरह पूरे माह हर रोज करीब तीन लाख श्रद्धालु परिक्रमा में भागीदारी करते नजर आए। इस बार परिक्रमा में एक बहू अपनी सास को सिर पर बिठा कर परिक्रमा करती दिखाई दी। इसके साथ ही कुछ श्रद्धालु अपने बूढ़े माता पिता को परिक्रमा लगवाते नजर आए।

होटल गेस्ट हाउस वालों की खूब रही बल्ले-बल्ले

यूनिक समय, मथुरा। अधिक मास मे इस बार होटल गेस्ट हाउस वालों को भी अच्छी कमाई हुई।बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने और खाने पीने से गेस्ट हाउस और होटल मालिकों को करोड़ों की कमाई हुई। गेस्टहाउस और होटलों में कमरे पूरे माह भरे नजर आए।

डग्गेमार वाहनों ने कमाए 70 लाख से अधिक

यूनिक समय, मथुरा। अधिक मास में डग्गे मार वाहनों ने भी खासी कमाई की। श्रद्धालुओं को मंदिरों में दर्शन कराने और परिक्रमा आदि को कराने के लिए ई–रिक्शा, ऑटो और दूसरे वाहनों के चालकों ने भी चांदी काटी। एक अनुमान के अनुसार डग्गे मार वाहनों की इस माह में करीब 70 लाख रुपये की कमाई का अनुमान है।

दान–पुण्य पर करोड़ों खर्च कर गए श्रद्धालु

यूनिक समय मथुरा। इस बार श्रद्धालु भी दान पुण्य करने में भी पीछे नहीं रहे। श्रद्धालुओं ने करोड़ों रुपये दान पुण्य पर भी खर्च किए। परिक्रमार्थियों के खाने पीने के लिए भंडारों का भी आयोजन किया। भंडारों में श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था के साथ–साथ आइसक्रीम,हलवा, पूआ, पूड़ी, फल ठंडे पेय, चाय नमकीन आदि की व्यवस्था पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए।

प्रसाद और फूल–माला बेचने वाले हुए मालामाल

यूनिक समय, मथुरा। श्रद्धालुओं ने मंदिरों में प्रसाद, फूल मालाओं और चढ़ावे पर भी करोड़ों रुपये खर्च किए गए। गोवर्धन में गिरिराज जी मंदिर, बांके बिहारी मंदिर, बरसाना के राधारानी मंदिर, गोकुल और दाऊजी आदि मंदिरों में फूल माला और प्रसाद और चढ़ावा चढ़ाने पर भी करोड़ों रुपये खर्च किए जाने का अनुमान लगाया गया।

रोडवेज ने कमाए एक करोड़ 74 लाख रुपये

रेलवे ने भी की करोड़ों की कमाई

यूनिक समय, मथुरा। इस बार अधिक मास में जनपद को करीब 100 करोड़ से अधिक की कमाई होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

परिवहन निगम को तो इस माह अच्छी खासी कमाई हुई। अकेली रोडवेज की बसों को श्रद्धालुओं को लाने ले जाने से 29 वें दिन तक एक करोड़ 74 लाख की आमदनी हुई।

रेलवे को भी बाहर से आने वाले श्रद्दालुओं यात्रियों से करीब–करीब एक करोड़ रुपये की आय होने का अनुमान लगाया जा रहा है। मथुरा जंक्शन से जहां ट्रेनों से करीब 70 हजार यात्री यात्रा करते थे अधिक मास मे इनकी संख्या एक लाख से अधिक रही है।

भिखारियों की झोली में भी खूब बरसी माया

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन स्थित दानघाटी मंदिर पर अधिक मास के दौरान दूध की धार से अभिषेक और परिक्रमा के लिए पहुंचे लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ का कुछ असामाजिक तत्वों ने फायदा उठाया। क्षेत्र में सक्रिय नकली और मिलावटी दूध बेचने वालों ने श्रद्धालुओं की आस्था को भुनाकर मोटी कमाई की।

रिश्तों में बढ़ता लेनदेन भाव चिंता का कारण

जरूरत से ज्यादा पैसा रिश्तों का सुकून छीनता

यूनिक समय, मथुरा। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के एसोसिएट प्रोफेसर और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डेविड एच. रोजमारिन का मानना है कि पैसा जीवन में स्थिरता, सुरक्षा और सुविधाएं जरूर देता है, लेकिन जरूरत से अधिक धन हमेशा खुशी की गारंटी नहीं बनता। कई बार यह व्यक्ति को मानसिक रूप से अधिक असुरक्षित और अकेला बना देता है।

रोजमारिन, जो दुनिया के कई संपन्न परिवारों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श देते हैं, बताते हैं कि अत्यधिक धन होने पर लोग समस्याओं का सामना करने के बजाय उन्हें पैसे के माध्यम से

दबाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए बताया कि एक संपन्न परिवार ने बेटे के जुए के कर्ज चुकाने में लाखों डॉलर खर्च कर दिए, लेकिन इससे उसकी लत और बढ़ गई और अंतः वह परिवार से दूर हो गया। वहीं एक छात्रा, जो गंभीर अवसाद से जूझ रही थी, उसे भावनात्मक सहारे के बजाय आलीशान सुविधाएं दी गईं, जिससे उसकी स्थिति और खराब हो गई। विशेषज्ञ के अनुसार, अमीरी के साथ अक्सर यह संदेह जुड़ जाता है कि लोग व्यक्ति से प्रेम करते हैं या उसके धन से। यह भावना मानसिक तनाव, अवसाद और असुरक्षा को जन्म देती है। कई बार व्यक्ति का आत्म–सम्मान भी उसके बैंक बैलेंस और सामाजिक प्रतिष्ठा पर निर्भर हो जाता है। रोजमारिन कहते हैं कि सामान्य परिवारों में चुनौतियां लोगों को एक–दूसरे के करीब लाती हैं। संघर्ष, समझौता, जवाबदेही और त्याग रिश्तों को मजबूत बनाते हैं। लेकिन अत्यधिक पैसा इन अनुभवों को कम कर देता है, जिससे रिश्ते भावनात्मक जुड़ाव के बजाय लेन–देन तक सीमित होने लगते हैं। उनके अनुसार, सच्चा मानसिक सुख धन में नहीं, बल्कि भरोसेमंद रिश्तों, ईमानदारी, अपनापन और भावनात्मक जुड़ाव में छिपा होता है।

हार्वर्ड विशेषज्ञ ने बताए मानसिक प्रभाव

भरोसा और अपनापन होते कमजोर

बांकेबिहारी दर्शन को आई भीड़ में फंसी महिलाएं और बच्चियां रो पड़ी

ठाकुर बांकेबिहारी महाराज मंदिर के दर्शन को लाइन लगाए श्रद्धालुओं की भीड़ का नजारा। दो महिलाएं भीड़ के बीच रोती हुई दिखाई दे रही हैं।

चीख पुकार से सुरक्षा कर्मी रहे बे-खबर

बांकेबिहारी मार्ग पर भारी भीड़ उमड़ी

श्रद्धालुओं को घंटों करना पड़ा इंतजार

धक्का-मुक्की से महिलाएं और बच्चे परेशान

प्रशासन निगरानी में भी अव्यवस्था जारी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। सोमवती अमावस्या के साथ अधिक मास का समापन होने जा रहा है। इस कारण ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर समेत अन्य प्रमुख मंदिरों के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब वृंदावन में उमड़ पड़ा है।

स्थिति यह है कि बांकेबिहारी मंदिर जाने वाले मार्ग पर मात्र 100 मीटर की दूरी तय करने में श्रद्धालुओं को करीब आधा से एक घंटा तक इंतजार करना पड़ रहा है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और प्रशासन लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। मंदिर तक पहुंचने में श्रद्धालुओं के बीच धक्का मुक्की होती देखी गई। भीड़ का दबाव इतना अधिक था कि महिला और बच्चों की चीख पुकार निकलना शुरू रही है। किसी महिला के बाल खींच रहे हैं, तो वह चिल्ला रही है। हैरानी की बात तो यह थी कि चीख पुकार से सुरक्षाकर्मी बेखबर नजर आए।

बताते चलें कि द्वितीय शनिवार और रविवार का अवकाश होने के कारण श्रद्दालुओं की संख्या में कई गुना बढ़ोत्तरी हो गई है। कल सोमवती अमावस्या पर भीड़ और अधिक बढ़ने का अनुमान है। दर्शन करने के लिए आए श्रद्धालु तो अव्यवस्था के शिकार हो गए। वह दर्शन किए बगैर लौट गए। दिल्ली से आई एक महिला का कहना था कि वह दूसरी बार लौटकर जा रही है।

वृंदावन में परिक्रमा लगाते श्रद्धालुओं के बीच ई रिक्शा की छत पर बैठे बच्चे।

वृंदावन में श्रद्धालुओं की भीड़ ने रिकार्ड तोड़ा

राधे-राधे बोले और आगे बढ़ो

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। सोमवती अमावस्या से पहले मंदिरों की नगरी में श्रद्धालुओं की भीड़ ने रिकार्ड तोड़ दिए। स्थानीय लोगों को घरों कैद रहने को मजबूर रहना पड़ा। यदि कोई जरूरी काम से निकला तो वह रास्ते में फंस गया। बमुश्किल प्रशासन को कोसते हुए घर पहुंचा। अधिक मास में ऐसा कोई सा दिन गुजरा होगा, जब श्रद्धालुओं ने यहां की परिक्रमा न लगाई हो। दिन प्रतिदिन भीड़ बढ़ती गई और यह हालत बनते चले गए कि जिसको जहां जगह मिली, उसने वहीं से परिक्रमा शुरु कर दी। शनिवार और रविवार को श्रद्धालुओं की भीड़ का यह आलम दिखाई दिया कि कदम आगे बढ़ाने को जगह नहीं मिली। राधे-राधे बोलते हुए श्रद्धालु आगे बढ़ते चले गए। अटल्ला चुंगी और रमणरेती पुलिस चौकी चौराहा के पास तो परिक्रमार्थियों को आगे बढ़ने के लिए काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा था। परिक्रमार्थियों की सेवा के लिए अनेक लोगों ने अनेक स्टालों के माध्यम से सेवा की।

व्यवस्था तोड़ने वाले युवकों को रोकने पर विवाद

बांकेबिहारी मार्ग पर पुलिस-युवक में भिड़ंत

पुलिसकर्मियों से तकरार करते युवकों की तस्वीर। फोटो स्त्रोत – सोशल मीडिया

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। अधिक मास के अंतिम दिनों में उमड़ रही भीड़ के बीच पुलिस और कुछ श्रद्धालुओं के बीच हाथापाई हो गई। इसकी वीडियो सामने आया है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो बांके बिहारी मंदिर जाने वाले मुख्य मार्ग का है, जहां भीड़ नियंत्रण के दौरान कुछ युवक पुलिसकर्मियों से उलझ गए।

जानकारी के अनुसार विवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और प्रशासन ने विभिन्न स्थानों पर होल्डिंग एरिया बनाए थे। यहां श्रद्धालुओं को चरणबद्ध तरीके से मंदिर की ओर भेजा जा रहा था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंदिर के मुख्य मार्ग पर मनीपाड़ा क्षेत्र के बाहर पुलिसकर्मी रस्से के माध्यम से भीड़ को नियंत्रित कर रहे थे। इसी दौरान कुछ युवक वहां पहुंचे और बैरिकेडिंग पार कर जबरन आगे निकलने का प्रयास करने लगे। पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, जिस पर विवाद शुरू हो गया। बताया जा रहा है कि तीन से चार युवक रस्से के नीचे से निकलकर आगे जाना चाहते थे। पुलिसकर्मियों द्वारा रोकने पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी होने लगी। देखते ही देखते मामला धक्का-मुक्की तक पहुंच गया।

वायरल वीडियो में एक युवक पुलिसकर्मी को धक्का देता दिखाई दे रहा है। इसके बाद विवाद और बढ़ गया। मौके पर मौजूद अन्य युवक भी पुलिसकर्मियों से उलझते नजर आए। वीडियो में कुछ युवक पुलिसकर्मियों की वर्दी खींचते हुए भी दिखाई दे रहे हैं।

तापमान / मौसम

33 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

24 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,45,820
22 कैरेट 1,33,668
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,60,000 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

अधिक मास बना डग्गेमार वाहनों की मौज

श्रद्धालुओं से वसूला मनमाना किराया

गोवर्धन चौराहे पर डग्गेमार वाहन सवारियां भरते हुए।

डग्गेमार बस गोवर्धन चौराहे से सवारियां भरती हुई।

गोवर्धन चौराहा से यमुना एक्सप्रेसवे तक अवैध वाहनों का कब्जा

सरकार के राजस्व लगा रहे है पतीला

यूनिक समय, मथुरा। अधिक मास में मथुरा, वृंदावन और गोवर्धन आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ का फायदा डग्गेमार वाहन संचालक जमकर उठा रहे हैं। नेशनल हाईवे–19, गोवर्धन चौराहा, टाउनशिप और यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में अवैध रूप से वाहन चलाए जा रहे हैं। इन वाहनों में यात्रियों से मनमाना किराया वसूला जा रहा है, जबकि जिम्मेदार विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। गोवर्धन चौराहा इन दिनों डग्गेमार वाहनों का बड़ा अड्डा बना हुआ है। यहां से कोसीकलां, पलवल, दिल्ली, आगरा और गोवर्धन के लिए बिना रोक–टोक वाहन सवारियां भर रहे हैं। कई वाहन क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाकर सड़कों पर दौड़ रहे हैं। इससे यात्रियों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है।

गोवर्धन चौराहा पर हरियाणा की निजी बसें भी खुलेआम सवारियां भर रही हैं। हैरानी की बात यह है कि यह सब जिम्मेदार अधिकारियों की नजरों के सामने हो रहा है, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही। यही स्थिति यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में भी देखने को मिल रही है, जहां नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। हाल ही में प्राईवेट बसों की कई घटनाएं हो चुकी है। डग्गेमार वाहनों के चलने से सरकार को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है। जिन वाहनों से टैक्स और परमिट शुल्क मिलना चाहिए, उनकी जगह अवैध वाहन यात्रियों को ढो रहे हैं। इससे सरकारी आय प्रभावित हो रही है और नियमों का पालन करने वाले वाहन संचालकों को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब खुलेआम अवैध वाहन चल रहे हैं तो परिवहन विभाग और संबंधित अधिकारी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं। क्या विभाग को इसकी जानकारी नहीं है या फिर जानबूझकर अनदेखी की जा रही है। इस संबंध में एआरटीओ राजेश राजपूत से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी।

कोसीकलां में इलेक्ट्रोनिक्स की दुकान में लगी आग

लाखों के इलेक्ट्रोनिक्स उपकरण जले

सीएनजी पंप के समीप ऑटो में लगी आग

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां स्थित जीटी रोड पर गांधी पार्क के सामने एक इलेक्ट्रोनिक्स की दुकान में आज प्रातः लगी आग से लाखों रुपये के इलेक्ट्रोनिक्स आईटम जल गए। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू किया। वहीं आज थाना जैत के सतोहा में एक सीएनजी ऑटो धूंधूकर जल गया।

कस्बा निवासी अरिफ की जीटी रोड पर गांधी पार्क के सामने इलेक्ट्रोनिक्स आईटम की दुकान है। दुकान में एसी, फ्रिज और टीवी आदि सामान भरा हुआ था। बताया गया कि आज प्रातः दुकान से निकलते धुंए को देख कर लोगों को दुकान में आग लगने का पता लगा। दुकान मालिक आरिफ की भी इस बारे में सूचना दी गई। दुकान में लगी आग से इलाके में हड़कंप मच गया। फायर ब्रिगेड को भी आग लगने की सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने दुकान में लगी आग को बुझाया। बताया गया कि दुकान में बिजली की शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। दुकान मालिक का कहना है कि आग से लाखों रुपये का सामान जल गया।

आज करीब डेढ़ बजे थाना जैत के गांव सतोहा पर सीएनजी पंप पर गैस भरवाने के लिए गए एक ऑटो के चालक ने ऑटो को पंप के बाहर खड़ा कर दिया। सीएनजी गैस लीक होने के कारण ऑटो में अचानक तेज आग लग गई। ऑटो में लगी आग से सीएनजी पंप पर गैस लेते वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते ऑटो धूंधू कर पूरी तरह से जल गया। गनीमत रही कि पंप के समीप अगर ये घटना होती तो बढ़ा हादसा हो सकता था।

सीएनजी पंप के समीप ऑटो लगी आग।

खेत पर समर्सेबिल चलाते समय करंट लगने से दो युवकों की मौत

सअवाददाता

यूनिक समय, राया (मथुरा)। थाना क्षेत्र के गांव ईटौली शनिवार की रात्रि दर्दनाक हादसा हो गया। खेत पर समर्सेबिल चलाने के दौरान करंट लगने से दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गयी। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गयी।

जानकारी के अनुसार गांव ईटौली निवासी पृथ्वी (28 वर्ष) एवं कन्हैया (24 वर्ष) निवासी गुबरारी अपने रिश्तेदारी में गांव में ही रहता था। दोनों शनिवार की रात्रि खेत पर गए थे। बताया जा रहा है कि दोनों ने खेत में लगे समर्सेबिल पंप को चालू करने का प्रयास किया तभी वे अचानक बिजली करंट की चपेट में आ गए।

मृतक युवकों के फाइल फोटो

कुछ देर बाद खेत पर पहुंचे एक अन्य युवक ने दोनों को अचेत अवस्था में पड़ा देखा। उसने शोर मचाकर ग्रामीणों को बुलाया। इसके बाद बिजली आपूर्ति बंद कर दोनों को तत्काल उपचार के लिए राया ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। गांव में भी मातम का माहौल है।

मथुरा जंक्शन पर जोनल रेल सलाहकार समिति सदस्य ने किया निरीक्षण

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन पर यात्री सुविधाओं एवं रेलवे व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए जोनल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति के सदस्य तथा वरिष्ठ भाजपा नेता योगेन्द्र चतुर्वेदी ने निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान स्टेशन परिसर और विभिन्न खानपान स्टॉलों पर कई खामियां सामने आईं। उन्होंने कहा कि यात्रियों से खानपान की वस्तुओं पर निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली किए जाने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं।

निरीक्षण के दौरान अधिकांश स्टॉलों पर खाद्य सामग्री खुली रखी मिली तथा कई वस्तुएं निर्धारित दरों से अधिक मूल्य पर बेची जा रही थीं।

जंक्शन पर जोनल रेल सलाहकार समिति के सदस्य खान पान समान को देखते हुए

बहन के अंतिम संस्कार के बाद स्नान करता भाई यमुना में डूबा

शव को तलाशने में एनडीआरएफ टीम जुटी

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाइवे के गांव अड़ूकी में चचेरी बहन की हुई मौत के बाद परिवार के लोगों ने यमुना किनारे श्मशान पर उसका अंतिम संस्कार किया। अंतिम संस्कार के बाद यमुना में स्नान करने के दौरान भाई यमुना में डूब गया। यमुना में डूबे युवक की तलाश एनडीआरएफ टीम द्वारा की जा रही है।

बताया गया कि गांव अड़ूकी निवासी उमेश पंडित (38) की चचेरी बहन की कल मृत्यु हो गई। परिवार के लोग उसके शव को अंतिम संस्कार के लिए बैराज रोड के शमशान ले गए। अंतिम संस्कार करने के बाद उमेश पंडित कल रात यमुना में स्नान करने के दौरान गहरे पानी में चला गया और डूब गया। उमेश पंडित को डूबता देख वहां मौजूद परिवार के सथ अन्य लोगों में हड़कंप मच गया।

रात में ही सदर बाजार पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों को बुलाकर शव को तलाश कराया, लेकिन आज दो पहर तक उमेश पंडित का शव बरामद नहीं हो सका। एनडीआरएफ की टीम शव को यमुना में तलाश करने के लिए सर्च ऑपरेशन कर रही है।

महंगाई ने टमाटर और अदरक का बिगाड़ दिया स्वाद

अब सब्जियों के दाम हुए दोगुने

कस्बा फरह में अंडरपास के पास सब्जी की दुकान सजाता दुकानदार।

महिलाओं की बात

पूनम चौधरी ने बताया कि अब सब्जी पर दो हजार रुपये महीने खर्च करने पड़ रहे हैं, जबकि पहले एक हजार रुपये में काम चल जाता था। कम सब्जियां होने के बाद भी बच्चों के नखरे ज्यादा हो गए हैं।

नीरेश देवी का कहना है कि सब्जी तो इन दिनों दोगुने भाव पर मिल रही हैं। पहले महीने का खर्च दो हजार था, जो अब चार हजार होने लगा है। सब्जियों की इस मंहगाई का असर जेब पर पड़ रहा है।

गोभी, शिमला मिर्च और लौकी पर भी मंहगाई की मार

यूनिक समय, मथुरा। बीते महीने पहले तक जिन घरों का सब्जी से जुड़ा बजट केवल एक हजार रुपये था, अब ऐसे घरों को सब्जी खरीदने के लिए दो हजार रुपये महीने खर्च करने पड़ रहे हैं। कारण सब्जी पर दोगुनी महंगाई होना है। अब तक सौ रुपये की सब्जियों से भरने वाले थैले के लिए लोगों को दो सौ रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। ऐसे में मध्यम वर्ग इस महंगाई से सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है।

इस महीने सब्जियों पर काफी महंगाई आ गई है। 10 रुपये किलो बिकने वाली लौकी अब 20 रुपये किलो मिल रही है। तीस रुपये में एक किलो आने वाले टमाटर के दाम तो साठ रुपये किलो हो गए हैं, जबकि चाय का स्वाद बढ़ाने में काम आने वाली अदरक तो अब पचास रुपये में केवल ढाई सौ ग्राम मिल रही है, जबकि बीते माह यह भी बीस रुपये में ढाई सौ ग्राम मिल रही थी।

महंगाई का सबसे बड़ा असर फूल गोभी पर है। चमकदार सफेद फूलगोभी अब 80 रुपये किलो के भाव में है, जबकि बीते माह यह केवल 40 रुपये किलो में उपलब्ध थी।

सलाद के काम आने वाला खीरा भी अब 40 रुपये किलो में है, जबकि यह बीते माह केवल 20 रुपये किलो में हाजिर था। वहीं, शिमला मिर्च, मिर्च और बंद गोभी भी अब दोगुने भाव में ही थैले में आ रहे हैं। हरा धनिया भी अब काफी महंगा हो गया है।

सब्जी की दुकान पर अब केवल आलू, भिंडी, तोरई ही भाव के हिसाब से शांत है, यह बीते माह की तरह इस माह भी बीस से तीस रुपये में मिल रही हैं।

सब्जी की दुकान संचालित कर रहे दुकानदार राकेश ने बताया कि इस मंहगाई का कारण वर्षा, कम उत्पादन और ब्रज में संचालित भंडारे हैं।

सप्तदशम् पुण्यतिथि
सप्तदशम् पुण्य तिथि पर सादर श्रद्धांजलि एवं शत्-शत् नमन आपके आदर्श एवं प्रेरणामय जीवन हमारे लिए सदैव पथ-प्रदर्शक रहेंगे।
अशोक गोयल-संगीता गोयल
(पुत्र-पुत्रवधू)
अभिषेक गोयल-चंचल गोयल
(पौत्र-पौत्रवधू)
खुशी गोयल, उदयांश (प्रपौत्री-प्रपौत्र)
फर्म डी.सी. ब्रादर्स, होलीगेट, मथुरा
मो. 9412179625

उठावनी
अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरे छोटे पुत्र घनश्याम अग्रवाल (कान्हा) का आकस्मिक निधन दिनांक 13.06.2026 को हो गया हैं। उठावनी दिनांक 15.06.2026 दिन सोमवार को महिलाओं एवं पुरुषों की सांय 3 से 4 बजे तक स्थानः- श्री गिरिधारी गौड़ीय मठ, राधेश्याम सेवा सदन के सामने, राधाकुण्ड रोड़, गोवर्धन पर होगी।
शोकाकुलः- रेखा देवी-विनोद कुमार (बिन्नी सेठ) (माता-पिता) श्रीमती मिथलेश देवी ऊषा देवी-डालचन्द, ममता देवी-महेशचन्द, मन्जू देवी-दिनेशचन्द (ताई-ताऊ) विष्णु कुमार, गिरधारी, विवेक, शिवकुमार, संजय (मयंक) प्रिन्स, पंकज (भ्रातागण) अथर्व, प्रियांशु, क्रियांशु (भतीजेगण) एवं समस्त मंगल परिवार (आन्यौर वाले)
प्रतिष्ठानः- उर्मिला सदन, बस स्टैण्ड के सामने, गोवर्धन
मो. 9084608045, 7455932438
ननिहाल पक्षः श्री लक्ष्मीचन्द शिवकुमार गर्ग (खानुआं)

निशान श्याम यात्रा निकालते हुए श्रीश्याम सखा मित्र मंडल के लोग

यूनिक समय, मथुरा। तृतीय श्री श्याम वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री श्याम सखा मित्र मंडल द्वारा 151 भव्य निशान यात्रा का महंत भवानी गिरी के सानिध्य में निकल गई गई

यात्रा में श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के जयकारे देते हुए व बाजों की धून पर श्रद्वालु झूमने चल रहे थे। यह यात्रा राधा नगर मंदिर से प्रारंभ होकर कृष्णा नगर मार्केट, सौंख रोड, बिजलीघर मार्ग से होते हुए भूतेश्वर मंदिर पर पहुंचकर सम्पन्न हुई। यात्रा के दौरान विभिन्न आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। यात्रा में सबसे आगे भगवान श्री गणेश की सुंदर झांकी निकाली गई, जिसके बाद भगवान भोलेनाथ की मनमोहक झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। साथ ही विंटेज कार, डीजे वाहन एवं भजन-कीर्तन मंडलियों ने पूरे मार्ग को भक्तिमय बना दिया। यात्रा के अंत में बाबा खाटू श्याम की भव्य एवं अलौकिक झांकी निकाली गई, जिसके दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। स्थानीय लोगों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा एवं स्वागत किया। इस मौके पर भवानी गिरी,चंद भगत,अजय अग्राल,कृष्ण अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, यश अग्रवाल, रुद्राक्ष अग्रवाल व गणमान्य लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

प्रवक्ता भर्ती परीक्षा में 75 प्रतिशत अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

13 केंद्रों पर शांतिपूर्ण संपन्न हुई परीक्षा

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित प्रवक्ता पुरुष एवं महिला राजकीय इंटर कॉलेज प्रारंभिक परीक्षा-2025 की रविवार को जनपद के 13 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने लगातार निगरानी रखी, जिससे कहीं से भी किसी प्रकार की अव्यवस्था या गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली। जिले में इस परीक्षा के लिए कुल 5,466 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, लेकिन इनमें से केवल 1,360 अभ्यर्थी ही परीक्षा में शामिल हुए। वहीं 4,106 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी, जिससे परीक्षा में अनुपस्थित रहने वालों का प्रतिशत लगभग 75 रहा। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के अनुपस्थित रहने की चर्चा परीक्षा केंद्रों पर चलती रहीं। परीक्षा को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने के लिए सभी केंद्रों पर सघन सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। प्रवेश से पूर्व अभ्यर्थियों की गहन जांच की गई तथा पहचान पत्रों का मिलान करने के बाद ही उन्हें परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया गया। केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी निगरानी रखी गई। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के युवा जिलाध्यक्ष देवराज गुर्जर का स्वागत

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के युवा जिलाध्यक्ष देवराज गुर्जर को गांव हुसैनी में नियुक्ति पत्र देते पदाधिकारी।

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के नवनियुक्त युवा जिलाध्यक्ष देवराज गुर्जर के सम्मान में गांव हुसैनी में आयोजित समारोह में सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह नागर थे। अध्यक्षता गुर्जर समाज के पूर्व अध्यक्ष ज्ञान सिंह प्रधान ने की। संगठन के पदाधिकारी ने देवराज गुर्जर को नियुक्ति पत्र सौंपा। समाज के लोगों ने अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया और उम्मीद जताई कि देवराज गुर्जर के नेतृत्व में संगठन मथुरा जिले में समाज के उत्थान के लिए मजबूत कदम उठाएगा। कार्यक्रम में अमर जीत चौधरी ने भी विचार व्यक्त किए।

जिले में ज्वार और बाजरा की खेती पर जोर

खरीफ सीजन में बढ़ेगा धान का रकबा

धान की भी होगी अधिक रोपाई

खरीफ सीजन में किसानों का मक्का की खेती से मोह कम, घटेगा रकबा

यूनिक समय, मथुरा। इस बार खरीफ सीजन में किसान बाजरा और ज्वार की खेती को प्राथमिकता देंगे, धान भी किसानों ने की पसंद बनेगा। मक्का को भी इस बार दुलार नहीं मिलने की संभावना है, इस फसल का कुछ रकबा कम होगा।

खरीफ सीजन में बोई जाने वाली कई फसलों का इस बार रखवा बढ़ने जा रहा है। सीजन की सबसे मुख्य

फसल धान के रकबा में भी इस बार बढ़ोतरी होगी। बीते साल 103280 हेक्टेयर में धान की रोपाई की गई थी, इस बार किसान 104 604 हेक्टेयर भूमि में धान की रोपाई करेंगे। वैसे, जनपद में धान की रोपाई का काम भी शुरू हो गया है। इस बार नर्सरी भी खूब लगी है नहरी क्षेत्र में शामिल शेरगढ़, नौहझील, छाता की ओर तो किसान धान रोपने में जुट गए हैं । कृषि विभाग के अनुसार, जिले के किसान 65000 हेक्टेयर से अधिक रकबा में बाजरा की फसल करेंगे, जबकि बीते साल यह

करतार सिंह

पदम सिंह भाटिया

फसल 61 हजार से अधिक रकबा में बोई गई थी। मक्का के रकबा में इस बार कमी आ सकती है। बीते साल 2600 हेक्टेयर में बोई गई यह फसल इस बार 1400 हेक्टेयर के करीब रकबा में पैदा होगी।

ज्वार का रकबा बढ़ेगा। बीते साल ज्वार 15000 हेक्टेयर से अधिक जमीन में पैदा हुई थी, इस बार 17000 हेक्टेयर से अधिक रकबा में किसान ज्वार पैदा करेंगे। कपास भी 12000 हेक्टेयर से अधिक रकबा में होने की संभावना है। वैसे जिले के किसान अब तक 2500 हेक्टेयर से अधिक रकबा में इस फसल को उगा चुके हैं। जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार ने बताया कि इस बार खरीफ सीजन में धान के अलावा बाजरा और ज्वार, कपास की फसलों के रकबा में बढ़ोत्तरी हुई है। उन्होंने बताया कि नहरों के पानी वाले क्षेत्र में धान की रोपाई का काम भी शुरू हो गया है। जनपद में खाद-बीज का पर्याप्त इंतजाम भी है।

किसान करतार सिंह का कहना है कि मक्का की फसल में नुकसान रहता है, इसलिए इस बार धान रोपने का मन बनाया है। अगले सप्ताह इस रोकने का काम करेंगे । किसान पदम सिंह भाटिया का कहना है कि पहले भी धान करते रहे हैं, इस बार भी धान करेंगे। नर्सरी तैयार हो चुकी है, जल्द ही रोपाई का काम शुरू होगा।

विधायक ने किया भवन का सौंदर्यीकरण का शुभारंभ

जिला सहकारी समिति के सौंदर्यीकरण का शुभारंभ करते विधायक श्रीकांत शर्मा,समिति के अध्यक्ष निरंजन सिंह धनगर एवं गणमान्य लोग

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा-वृंदावन के विधायक एवं पूर्व ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने स्टेट बैंक चौराहा स्थित जिला सहकारी समिति भवन के सौंदर्यीकरण कार्य का विधिवत उद्घाटन किया। यह पुनर्निर्माण कार्य विधायक निधि से कराया जाएगा। जिससे समिति के सदस्यों एवं क्षेत्रीय किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। विधायक ने कहा कि सहकारी समितियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं। इनके सौंदर्यीकरण से किसानों और आम लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से मिल सकेगा। जिला सहकारी समिति के अध्यक्ष निरंजन सिंह धनगर ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से समिति भवन का पुनर्निर्माण संभव हो सका है। इससे समिति के कार्यों के संचालन में सुविधा मिलेगी और किसानों को बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकेंगी। कार्यक्रम में समिति से जुड़े पदाधिकारी, सदस्य एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय रक्तदान दिवस पर विशेष आयोजन

अनजान जिंदगियों का सहारा बने रक्तदाता

चित्र कैप्शन : अंतरराष्ट्रीय रक्तदान दिवस पर रक्तदान करते युवा, साथ में ब्लड बैंक की टेक्निकल टीम।

सीआरपीएफ अधिकारियों एवं जवान रक्तदात करते करते हुए।

स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान के लिए प्रेरित किया

केडी हॉस्पिटल के विशेषज्ञों ने बताए रक्तदान के अनेक लाभ

दो दिवसीय अभियान की सराहनीय सफलता

यूनिक समय, मथुरा। अंतरराष्ट्रीय रक्तदान दिवस के अवसर पर केडी विश्वविद्यालय के चिकित्सा शिक्षा संस्थान के.डी. मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के पैथोलॉजी विभाग द्वारा एमओआईसी ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. सोनम बिलावारिया ने उपस्थित लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला।

केडी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है।

उन्होंने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद का जीवन बचाने के साथ समाज में मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करता है। उन्होंने प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति से हर तीन माह में रक्तदान करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आहावान किया।

प्रो–चांसलर मनोज अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान एक महान मानवीय सेवा है। रक्त की एक यूनिट किसी जरूरतमंद के लिए आशा, जीवन और मुस्कान का कारण बन सकती है। उन्होंने कहा कि किसी का जीवन बचाने से जो संतुष्टि मिलती है, वह अनमोल होती है।

कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी ने

रक्तदाताओं ने किया 42 यूनिट रक्तदान

रक्तदाताओं का किया सम्मान

यूनिक समय, मथुरा। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जायंट्स ग्रुप ऑफ मथुरा वेस्ट एवं रोटरी क्लब ऑफ मथुरा वेस्ट के संयुक्त तत्वावधान में रोटरी ब्लड सेंटर पर स्वर्गीय राजीव अग्रवाल की स्मृति में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर कार्यक्रम में संरक्षक सुधीर चौधरी, देवेंद्र चौधरी व डॉ. शशांक माहेश्वरी ने रक्त परीक्षण में उपयोग होने वाली ईएलआईएसए मशीन का फीता काटकर लोकार्पण किया। शिविर में जायंट्स फेडरेशन–5 के उपाध्यक्ष मोहनबाबू आर्य, जायंट्स वेस्ट के प्रशासनिक निदेशक संजीव जैन, नीरज गर्ग, नवीन अग्रवाल, रोटरी जैस्मिन पूर्व अध्यक्ष पूजा अग्रवाल तथा कोषाध्यक्ष कविता अग्रवाल सहित अनेक लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर में 42 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। रक्तदाताओं को जायंट्स वेस्ट के अध्यक्ष दिनेशचंद्र अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल, रेनू

रक्तदान करता रक्तवीर।

चावला, बृजेश सिंघल,संजय जॉली सहित अन्य पदाधिकारियों ने स्मृति चिन्ह, प्रमाण–पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. नरेश अग्रवाल, राजेश मित्तल, अनिल कुमार शर्मा,महेश कालरा, कौशल अदलखा, जितेंद्र सिंह, भूपेंद्र अग्रवाल, रविंद्र सिंह लांबा, नरेश बर्मन, पुनीत गर्ग, गौरव गोयल, सोनल अग्रवाल, पूनम लांबा, प्रतिभा गर्ग एवं शिखा अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। शिविर की अध्यक्षता जगदीश चावला व मदन बांगा ने की।

सीआरपीएफ जवानों ने रक्तदान कर निभाया मानवता का धर्म

यूनिक समय, मथुरा। 16 वीं बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा मानव सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को साकार करते हुए गणेशरा स्थित कैंप परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर कमांडेंट नितिन कुमार के मार्गदर्शन में यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, आगरा के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर में रक्तदान के साथ–साथ स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा चिकित्सीय परामर्श, रैंडम ब्लड शुगर (आरबीएस) जांच, रक्तचाप परीक्षण, आवश्यकता अनुसार ईसीजी जांच तथा दवा वितरण की सुविधाएं प्रदान की गईं। इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी जयप्रकाश सिंह एवं राजेश्वर सिंह यादव, उप कमांडेंट रोहित त्रिपाठी, सहायक कमांडेंट लोकेश चौधरी, राकेश कुमार एवं अनंत हंस सहित अनेक अधिकारी, जवान और उनके परिजन उपस्थित रहे।

चोरी के तीन मोबाइल चाकू सहित दो गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना वृंदावन पुलिस ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के तीन मोबाइल बरामद किए हैं। एक अभियुक्त के कब्जे से चाकू भी बरामद हुआ है। पुलिस ने गंदी गली गौतम पाड़ा के समीप से अभियुक्त राहुल उर्फ सचिन निवासी गांव पिनाहट थाना पिनाहट जिला आगरा व पवन निवसी बारह घाट रमणरेती परिक्रमा मार्ग वृंदावन को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के तीन मोबाइल, पर्स व एक चाकू बरामद किए हैं।

शिविर में 38 लोगों ने किया रक्तदान

संवाददाता

यूनिक समय, छाता। विश्व रक्तदाता दिवस पर शंकर हॉस्पिटल में शिवम सेवा ट्रस्ट और जीवन सफर वेलफेयर सोसायटी के सौजन्य से लाइफकेयर चैरिटेबल ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर लगाया।

शिविर के 38 युवकों ने रक्तदान किया और मानवता की सेवा में अपना योगदान दिया।लाइफ केयर चैरिटेबल ब्लड बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर राजकुमार बघेल ने बताया कि छाता में लोगों में बड़ा उत्साह रक्तदान करने को देखने को मिला।

कैंप में आसपास 38 लोगों ने पहुंच कर रक्त दान किया है। पहले

छाता में लगाए शिविर में रक्तदान करता एक युवक। साथ में पदाधिकारी एवं टीम।

सिर्फ शहरों में ही तरफ रक्तदान शिवर आयोजित किए जाते थे हमारा उद्देश्य ग्रामीण देहात की जनता में पहुंच कर लोगों को रक्त दान करने के लिए जागरूक करना है।

रक्तवीरों प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

शिविर में डॉ. अमरीश कुमार, उमेश शर्मा, निकेश चौरसिया एवं गोपाल सैनी आदि उपस्थित थे।

630 अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 630 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है।

पुलिस ने रेलवे लाइन कच्चे रास्ते पानी की टंकी पार करके माधव विलास के पास से अभियुक्त गोपाल निवासी जिला अस्पताल के पीछे सुभाषनगर थाना कोतवाली को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 630 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत करवाई की है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तवीरों का किया सम्मान

विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तवीरों का सम्मान करते ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट एंव अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। बृजवासी चैरिटेबल ब्लड सेंटर द्वारा विश्व रक्तदान दिवस पर एक रक्तदान शिविर एवं रक्तवीरों का सम्मान समारोह आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ एन यू जे आई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट ने इस अवसर पर कहा कि रक्तदान महादान होता है। यह जीवन बचाने वाला कार्य है। हर स्वस्थ व्यक्ति को साल में दो बार रक्तदान जरुर करना चाहिए। उन्होंने रक्तदान कराने वाली संस्थाओं को बधाई देते हुए सभी रक्तदान करने वाले रक्तवीरों को नमन किया। भूपेश अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान करने से किसी भी प्रकार की कोई कमजोरी नहीं

रक्तदान को रक्तदाता आगे आएं

आती। जरूरत पढ़ने पर ब्लड बैंक के माध्यम से हम रक्त ले सकते हैं । इससे समय रहते मरीजों की जान बचाई जा सकती है। ब्लड बैंक प्रभारी शुभम अग्रवाल ने बताया कि 14 जून को हम विश्व रक्तदाता दिवस के रूप में मनाते हैं। डॉक्टर पीएल गोयल ने ब्लड बैंक के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सचिन अग्रवाल ,गोविंद खंडेलवाल, यतेंद्र फौजदार, मुकेश अग्रवाल, हर्षल शर्मा, सागर बंसल, पियूष बंसल ,योगीराज चाहर,लवी, डॉ सौरभ राय, पवन ठाकुर, दीपक सिंघल, राहुल अग्रवाल, आदि उपस्थित रहे।

राधा–कृष्ण की विवाह स्थली भांडीरवन में कल उमड़ेगी भीड़

यूनिक समय, मांट (मथुरा)। सोमवती अमावस्या पर कल ऐतिहासिक स्थल भांडीरवन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ेगी। चूंकि यह अधिक मास की समाप्ति की सोमवती अमावस्या है, इसलिए इस बार रिकॉर्ड संख्या में भक्तों के आने की संभावना जताई जा रही है।

भांडीरवन के बारे में प्राचीन मान्यता है कि इसी पावन धरा पर राधा–कृष्ण का विवाह संपन्न हुआ था। माना जाता है कि इस अलौकिक विवाह को स्वयं सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा जी ने पुरोहित बनकर संपन्न कराया था। विवाह के पश्चात भगवान श्रीकृष्ण का मुकुट भी इसी स्थान पर विसर्जित किया गया था।

किदवंती के अनुसार, भांडीरवन में अत्यंत पवित्र वेणु कूप (कुआं) स्थित है, जिसका जल आज तक कभी नहीं सूखा। कथा है कि एक बार भगवान श्रीकृष्ण गौचारण करते हुए भांडीरवन आए थे। तब कंस ने उनका वध करने के लिए बछासुर नाम के राक्षस को बछड़े के रूप में भेजा, जिसका भगवान

भांडीरवन में अत्यंत पवित्र वेणु कूप (कुआं) को देखते श्रद्दालु। (फोटो– फाइल)

ने वध कर दिया। इसके बाद विद्वान पंडितों ने श्रीकृष्ण को बताया कि उन्होंने बछड़े (गोवंश) का वध किया है, जिससे उन्हें गौ–हत्या का पाप लगेगा। इस पाप से मुक्ति के लिए उन्हें सभी तीर्थों की यात्रा करनी होगी। तब भगवान श्रीकृष्ण ने इसी स्थान पर अपनी बांसुरी (वेणु) से एक कुआं खोदा और समस्त तीर्थों का आहवान किया। भगवान के बुलावे पर सभी तीर्थ यहाँ प्रकट हुए और उन्होंने अपने पवित्र जल को इस कुएं में प्रवाहित किया, जिसे आज 'वेणु कूप' कहा जाता है। वेणु कूप के सेवायत ने बताया कि इस कुएं की महिमा अपरंपार है। आज भी सोमवती अमावस्या के दिन ब्रह्म मुहूर्त में इस वेणु कूप से स्वतः ही दूध की धार निकलती है। मान्यता है कि इस कुएं के जल से स्नान करने पर भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। वहीं, कुएं के पास ही एक छोटा सा कुंड है, जिसमें इस कुएं का जल एकत्रित होता है। इस

वर्ष की आखिरी सोमवती अमावस्या पर आयोजित होगा भव्य पर्वी मेला

कुंड में स्नान करने से निःसंतान महिलाओं को संतान सुख की प्राप्ति होती है। महिलाएं यहां स्नान के बाद अपने पुराने वस्त्रों व आभूषणों का त्याग कर नूतन (नए) वस्त्र धारण करती हैं।भांडीरवन स्थित भांडीर बिहारी मंदिर के सेवायत गोपाल बाबा ने बताया कि पूरे विश्व में राधा जी की मांग में सिंदूर भरते हुए भगवान श्रीकृष्ण का अद्वितीय विग्रह केवल भांडीरवन में ही विराजमान है। इस विग्रह में ठाकुर जी अपने पैरों के पंजे के बल खड़े होकर राधारानी की मांग भर रहे हैं। सेवायतों के अनुसार, वेणु कूप के पवित्र जल में स्नान करने के बाद भांडीर बिहारी मंदिर में नारियल और प्रसाद अर्पित करने से भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है।

मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश जी महाराज में भव्य फूल बंगले का आयोजन

यूनिक समय, मथुरा। अधिक मास उत्सवों की श्रृंखला के अंतर्गत रविवार को श्री ठाकुर द्वारकाधीश महाराज मंदिर में सायंकालीन शयन दर्शन के दौरान भव्य फूल बंगले का आयोजन किया गया। रंग–बिरंगे सुगंधित पुष्पों से सजे दिव्य बंगले में ठाकुर जी के दर्शन कर श्रद्धालु भाव–विभोर हो उठे। मंदिर के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर में आयोजित होने वाले सभी धार्मिक कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी श्री श्री 108 डॉ. वागीश कुमार जी महाराज, कांकरोली नरेश एवं तृतीय पीठाधीश्वर द्वारा किया गया है। सोमवार को ठाकुर जी खस के बंगले में विराजमान होकर शयन दर्शन देंगे।

आर.एन.आई. एवं दृश्य प्रचार निदेशालय, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त

जन-जन की सोच का साथी

बारिश में कौन-सी सब्जी खाएं या न खाएं

इम्यूनिटी को मजबूत करेंगी ये सब्जियां

यूनिक समय, नईदिल्ली। मानसून का सीजन चल रहा है। ऐसे में मौसम में काफी बदलाव आ जाता है। एक्सपर्ट से जानें किन फूड्स का मानूसन सीजन में सेवन नहीं करना चाहिए। वहीं जानें कौन-सी चीजें खाने से इम्यूनिटी मजबूत होती है।

मानसून के सीजन में बीमारियों से बचने के लिए कुछ खाद्य पदार्थों से परहेज करने की सलाह दी जाती है। नम और उमस मौसम में बैक्टीरिया, फंगस और अन्य रोगजनकों के लिए यह मौसम एक बेहतर प्रजनन माना जाता है। परिणामस्वरूप, बीमार न पड़ने के लिए क्या खाया जाए, इसका ध्यान रखना आवश्यक है।

बरसात के मौसम में कौन—सी सब्जियों को खाने से बचना चाहिए?

बारिश का मौसम में संक्रामक बीमारियों का खतरा ज्यादा रहता है क्योंकि तापमान में काफी गिरावट और वातावरण में नमी होती है जिससे मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है। जिससे इम्यूनिटी भी कमजोर हो जाती है।

इन सब्जियों से करें परेहज

पत्तेदार सब्जियों में काफी पोषण होता है जो शरीर को एकदम फिट रखती है। लेकिन बारिश के मौसम में इनसे परहेज करना ही बेहतर है। इस मौसम में बैक्टीरिया, फंगस और अन्य रोगजनकों के लिए यह मौसम एक बेहतर प्रजनन माना जाता है। बारिश में पालक, शिमला मिर्च, फूलगोभी, पत्ता गोभी, मूली, गाजर, शलगम, चुकंदर, मशरूम और बैंगन जैसी सब्जियों के सेवन से बचना चाहिए।

इम्यूनिटी मजबूत करेंगी ये सब्जियां

बरसात में जल जनित बीमारियों का खतरा ज्यादा होता है। इस दौरान आप डाइट में एंटीऑक्सडेंट्स, मिनरल्स, विटामिन्स और फाइबर से भरपूर सब्जियों को शामिल करें। मानसून के सीजन में आप इन सब्जियों का सेवन करें। करेला और परवल जैसी सब्जियों को अपनी डाइट में शामिल करें। इसके साथ ही आप लौकी, टिंडा, भिंडी और तोरई सब्जियों का सेवन करें, इनमें विटामिन सी होता है जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। इसके साथ ही पाचन तंत्र में सुधार कर पेट से जुड़ी कई समस्याओं व इन्फेक्शन से छुटकारा मिलता है।

खाना बनाते समय इन बातों का रखें ध्यान

इस मौसम में कच्ची सब्जियां खाने से बचें क्योंकि इसमें बैक्टीरिया होती है। इस दौरान खीरा, ककड़ी का सलाद भी नहीं खाना चाहिए क्योंकि इनमें आंखों से न दिखने वाले जर्म्स होते हैं। खाना बनाने से पहले इन सब्जियों को गर्म पानी में थोड़ा नमक डालकर 10-15 मिनट के लिए भिगो दें। इससे सब्जियों में मौजूद बैक्टीरिया खत्म हो जाएंगे। फिर आप इसे साफ पानी में धोकर ही पकाएं।

घर पर बनाएं क्रिस्पी और टेस्टी दही के शोले

यूनिक समय, नई दिल्ली। एकदम यूनिक स्टाइल का दही के शोले बनाएं। इसे बनाना काफी आसान होता है। दही के प्रयोग से आप टेस्टी और स्वादिष्ट रेसिपी तैयार कर सकते हैं। यह स्नैक दही की फिलिंग के साथ बनाया जाता है, जो खाने में बेहद टेस्टी होता है ैर साथ ही हेल्दी भी है। इस रेसिपी को आप जब बनाएं तो हमेशा प्योर दूध से बना दही का प्रयोग करें। अगर आप के बच्चे भी घर पर रोजाना वही पुराना स्नैक्स खाकर बोर हो गए हैं, तो आप इस नई रेसिपी को घर पर जरुर ट्राई करें। घर पर आसानी से बनाएं टेस्टी और स्वादिष्ट दही के शोले। यह एक ऐसा स्नैक है दही की फिलिंग के साथ बनाया जाता है और यह खाने में बेहद ही मजेदार होता है। घर में एक बार इसे बना लिया तो आपके बच्चे बार-बार दही के शोले घर पर बनवाएंगे। चलिए आपको रेसिपी बताते हैं।

सामग्री: —दही 800 ग्राम/ 5 कप, प्याज कटा हुआ-3 बड़े चम्मच, शिमला मिर्च, कटी हुई-2 बड़े चम्मच,अदरक कटा हुआ-1/2बड़ा चम्मच, हरी मिर्च कटी हुई-1,धनिया कटा हुआ-बड़े चम्मच, नमक स्वादानुसार,-काला नमक-1/3 छोटा चम्मच,पनीर, कसा हुआ - 1/3 कप, भुना जीरा पाउडर-2 चम्मच, काली मिर्च पाउडर-1/2 छोटा चम्मच, सफेद ब्रेड -26 स्लाइस, तेल-तलने के लिए।

दही के शोले बनाने का तरीका

दही के शोले के लिए, दही को किसी छलनी या कपड़े में लटका कर कम से कम 4 घंटे के लिए रख दीजिए, ताकि दही का पानी निकल जाये और हमें गाढ़ा दही मिल जाए। हंग कर्ड में थोड़ा कटा हुआ प्याज, कटी हुई शिमला मिर्च, कटा हुआ अदरक, कटी हुई हरी मिर्च, कटा हरा धनिया, काला नमक, नमक, भुना जीरा पाउडर, काली मिर्च पाउडर और कसा हुआ पनीर डालकर अच्छी तरह मिला लें और यह मिश्रण तैयार है। अब दो ब्रेड स्लाइस लें और उसे बेलन की मदद से चपटा कर लें। फिर एक प्लास्टिक शीट लें और ब्रेड स्लाइस को शीट पर एक तरफ से दूसरे स्लाइस को ओवरलैप करते हुए रखें।

अब इस मिश्रण को दूसरी ब्रेड स्लाइस के ऊपर तिरछा रखें और फिर ब्रेड को मोड़ दें। फिर दूसरी ब्रेड को भी मोड़ लें और प्लास्टिक शीट को टॉफी रैप की तरह रोल कर लें। सभी दही के शोले के साथ भी ऐसा ही करें। गरम तेल में बेले हुए दही के शोले को हल्का सुनहरा होने तक तल लीजिए। स्वादिष्ट और क्रिस्पी दही के शोले तैयार हैं। किसी भी प्रकार की चटनी या डिप के साथ आनंद लें!

गर्मी में फैल जाता है आंखों में लगा काजल, तो फॉलों करें ये टिप्स

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मी के चलते अक्सर आंखों में लगा काजल भी फैल जाता है, इसलिए आपको मेकअप करने के लिए सही तकनीक का पता होना भी जरूरी है। इसके लिए आप नए-नए मेकअप लुक्स को ट्राई कर सकते हैं।

रोजाना ऑफिस जाना हो या चाहे किसी पार्टी में जाना हो, तो मेकअप करना तो आम बात है। प्रतिदिन आप हैवी मेकअप तो नहीं करते हैं लेकिन हल्का-फुल्का मेकअप तो जरूर करते हैं। हल्के-फुल्के मेकअप जैसे काजल और लिपस्टिक को लगाना हम ज्यादातर पसंद करते हैं। लेकिन जब हम आंखों में काजल लगाते हैं तो गर्मी में वो फैलने लगता है। इसलिए आज हम आपको कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं, जो आपको जरूर फॉलो करना चाहिए।

कंसीलर और पाउडर से कैसे सेट करें काजल

आंखों में लगा काजल हर समय फ्रेश नजर आए और फैले नहीं, तो आप काजल लगाने से पहले अपनी उंगली की टिप पर थोड़ा सा कंसीलर और लूज पाउडर को लें।

इसके बाद आप दोनों को मिक्स करके आंखों के निचले हिस्से पर लगा लें। दोनों को मिक्स करके लगाने के बाद आप ब्यूटी ब्लेंडर की मदद से इसे ब्लेंड कर लें। ब्लेंड करने के लिए आप हल्के हाथों के दबाव का इस्तेमाल करें।

इसके बाद आप इसे लूज पाउडर की मदद से सेट कर लें। सेट करने के बाद आप आंखों की वॉटर लाइन पर आसानी से काजल लगा लें।

चुनें बेस्ट काजल?

आंखों में लगे काजल को फैलने से बचने के लिए आप सबसे पतली टिप वाले काजल पेन या पेंसिल का इस्तेमाल कर सकती हैं। ध्यान रहे कि काजल या कोई भी मेकअप प्रोडक्ट आप लोकल ब्रांड का न खरीदें बल्कि किसी अच्छी ब्रांड वाले प्रोडक्ट को ही चुनें।

आंखों को कैसे दे फ्लॉलेस काजल लुक

काजल लगाते समय कई बार आईलैश पर प्रोडक्ट लग जाता है, बाद में पलके झपकाते समय आंखों में लगे काजल को बाहर की ओर फैला देता है। बता दें कि इससे बचने के लिए आप काजल लगाते ही टिश्यू या कॉटन पैड का इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसा करने से आपकी आंखें काजल लगाने के बाद काफी खूबसूरत दिखेंगी।

कश्मीर घूमने के दौरान इन बातों का रखें खास ख्याल, वरना खराब हो सकता है ट्रिप का मजा

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों में सबसे ज्यादा पर्यटक कश्मीर घूमने का प्लान बनाते हैं। वहीं मई-जून की छुट्टयों में यदि आप भी कश्मीर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो हम आपको बताने जा रहे हैं कि कश्मीर घूमने के दौरान आपको किन चीजों को करने से बचना चाहिए।

कश्मीर को धरती के स्वर्ग के रूप में जाना जाता है। कश्मीर में बर्फ से ढके पहाड़ और झीलें देखने को मिलती हैं। दरअसल, यह एक बेहद खूबसूरत शहर है और भारत का फेमस टूरिस्ट डेस्टिनेशन है। कश्मीर का नाम आते ही हमारे दिमाग में सबसे पहले वहां की खूबसूरती आती है। कश्मीर में सोनमर्ग की झीलें, फूलों की वादियां, सेब के बाग और घाटी की सुंदरता आपके मन को मोहने का काम करती हैं।

बता दें कि गर्मियों में सबसे ज्यादा पर्यटक

कश्मीर घूमने का प्लान बनाते हैं। वहीं मई-जून की छुट्टयों में यदि आप भी कश्मीर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि कश्मीर घूमने के दौरान आपको किन चीजों को करने से बचना चाहिए या किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

कश्मीर में इन चीजों का रखे खास ख्याल

बता दें कि कश्मीर में शिकारा राइड सबसे ज्यादा फेमस है। ऐसे में शिकारा राइड के दौरान आपको शॉपिंग करने का बहुत ऑप्शन मिलेगा। लेकिन इस दौरान आपको केसर खरीदने से बचना चाहिए। क्योंकि शिकारा राइड के दौरान यहां पर बिकने वाला केसर नकली होता है। या फिर अगर आप यहां से केसर खरीदते हैं, तो पहले उसको अच्छे से चेक कर लें। या किसी फेमस दुकान से केसर खरीदें।

कश्मीर ट्रिप के पहले दिन हाउस बोट में न रुकें। क्योंकि अन्य शहरों की तुलना में कश्मीर अधिक ठंडा रहता है। वहीं झील पर बने बोट हाउस में ज्यादा ठंड लगती हैं। ऐसे में आप ट्रिप के पहले दिन की बजाय आखिरी दिन में बोट हाउस पर रुकें।

यदि आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जो बिना कैश के घूमना पसंद करते हैं। तो बता दें कि कश्मीर में बिना कैश के आप समस्याओं में पड़ सकते हैं। क्योंकि जरूरी नहीं है कि हर जगह ऑनलाइन पेमेंट होती हो। इसलिए अपने साथ कैश जरूर रखें।

गर्मियों में भी कश्मीर में काफी ठंडक रहती है। इसलिए कश्मीर में बिना हीटिंग वाला रूम लेने की गलती नहीं करनी चाहिए। वहीं रात के समय यहां पर सर्दी अधिक हो जाती है। ऐसे में हीटर रूम बुक करना काफी अच्छा रहेगा।

कश्मीर में शिकारा राइड के दौरान आप कुछ चीजों का मजा ले सकते हैं। इनमें से एक फ्लेवर वाला हुक्का भी है। शिकारा राइड के दौरान यदि आप हुक्का लेने की सोच रहे हैं। तो इस चीज का खास ध्यान रखें कि पानी का लेवल क्या है। वैसे तो सलाह दी जाती है कि शिकारा राइड के दौरान हुक्के का इस्तेमाल न करें। या फिर अपने साथ पानी की बोतल लेकर जाएं और उसी पानी से हुक्के को भरें।

सुविचार

हर दिन एक नई किताब है, इसे मुस्कुराकर पढ़िए।

कल का पंचांग

तिथि	अमावस्या 12:20-08:23 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	मृगशीर्षा 10:13-07:08 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय	5:28 AM	चन्द्रोदय	05:06 AM
सूर्यास्त	7:11 PM	चंद्रास्त	07:53 PM
सूर्य राशि	मिथुन राशि	चंद्र	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त	11:50AM -12:45 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:51-04:39
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	07:11 AM: 08:53 AM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलेगी। आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा। खर्च नियंत्रित रखें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा आज।

वृषभ: आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं। रुका धन मिल सकता। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। यात्रा संभव है।

मिथुन: नई योजनाओं पर काम शुरू करेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। करियर में अवसर बढ़ेंगे। धैर्य बनाए रखें।

कर्क: परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। कार्यों में सफलता मिलेगी। निवेश सोच-समझकर करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह: आत्मविश्वास से कार्य पूरे होंगे। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। पुराने विवाद समाप्त होंगे।

कन्या: मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। लाभ संभव है।

तुला: व्यापार में प्रगति होगी। नई साझेदारी लाभदायक रहेगी। रिश्तों में विश्वास बढ़ेगा। मानसिक शांति महसूस करेंगे।

वृश्चिक: महत्वपूर्ण निर्णय लेने का अवसर मिलेगा। धन लाभ के योग हैं। परिवार का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु: यात्रा से लाभ मिल सकता है। नौकरी में प्रगति होगी। नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। उत्साह बना रहेगा।

मकर: आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। कार्यक्षेत्र में सम्मान मिलेगा। परिवार के साथ समय बिताएंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुंभ: नए संपर्क लाभ पहुंचाएंगे। व्यापार में विस्तार संभव है। सकारात्मक सोच बनाए रखें। सफलता प्राप्त होगी।

मीन: रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। पारिवारिक सुख मिलेगा। मन प्रसन्न रहेगा।

घर में जन्मतिथि के अनुसार लगाएं पौधे

बढ़ेगी सकारात्मक ऊर्जा

यूनिक समय, मथुरा। घर में पेड़-पौधे लगाना केवल सजावट का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और बेहतर वातावरण का भी माध्यम माना जाता है। ज्योतिष और अंकशास्त्र में भी कुछ पौधों को विशेष महत्व दिया गया है। मान्यता है कि जन्मतिथि के आधार पर चुने गए पौधे व्यक्ति के स्वभाव, ऊर्जा और मानसिक संतुलन को बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं। हालांकि यह मान्यताएं धार्मिक और ज्योतिषीय विश्वासों पर आधारित हैं, लेकिन इतना निश्चित है कि हरियाली मन को सुकून देने का काम करती है।

अंकशास्त्र के अनुसार किसी भी महीने की 1, 10, 19 और 28 तारीख को जन्मे लोगों का मूलांक 1 होता है। सूर्य ग्रह से जुड़े ऐसे लोगों के लिए सूरजमुखी का पौधा शुभ माना जाता है। यह आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच को बढ़ाने का प्रतीक माना जाता है। मूलांक 2 वाले लोग, जिनका जन्म 2, 11, 20 या 29 तारीख को हुआ

हो, चंद्रमा से प्रभावित माने जाते हैं। इनके लिए जेड प्लांट लाभकारी माना गया है। यह मानसिक शांति और भावनात्मक संतुलन का प्रतीक माना जाता है।

3, 12, 21 और 30 तारीख को जन्मे लोगों का मूलांक 3 होता है। बृहस्पति से जुड़े ऐसे लोगों के लिए तुलसी का पौधा शुभ माना जाता है। भारतीय परंपरा में तुलसी को पवित्रता, सकारात्मकता और समृद्धि का प्रतीक माना गया है।

मूलांक 4 वालों के लिए लिली का पौधा उपयुक्त बताया जाता है, जबकि मूलांक 5 वाले लोगों को मनी प्लांट लगाने की सलाह दी जाती है। माना जाता है कि यह संवाद क्षमता और सकारात्मक सोच को मजबूत करता है।

6, 15 और 24 तारीख को जन्मे मूलांक 6 वाले लोगों के लिए चमेली का पौधा शुभ माना गया है। इसकी सुगंध मानसिक तनाव कम करने और मन को प्रसन्न रखने में मददगार मानी जाती है।

मूलांक 7 वालों के लिए गेंदा का पौधा और मूलांक 8 वालों के लिए शमी का पौधा विशेष महत्व रखता है। शमी को भारतीय संस्कृति में शुभता और नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने वाला पौधा माना जाता है।

वहीं मूलांक 9 वाले लोगों के लिए गुड़हल का पौधा लाभकारी माना गया है। इसके आकर्षक फूल वातावरण को सुंदर बनाने के साथ मन को भी प्रसन्नता का अनुभव कराते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि चाहे ज्योतिषीय मान्यताओं पर विश्वास हो या नहीं, घर और कार्यस्थल पर पौधे लगाने से वातावरण शुद्ध होता है, तनाव कम होता है और मन में ताजगी बनी रहती है। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी पसंद और सुविधा के अनुसार पौधों को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। इससे न केवल घर की सुंदरता बढ़ती है, बल्कि प्रकृति के करीब रहने का सुख भी मिलता है।

घर में लगाएं धन को आकर्षित करने वाला क्रासुला प्लांट

यूनिक समय, मथुरा। क्रासुला प्लांट, जिसे जेड प्लांट या मनी ट्री भी कहा जाता है, वास्तु और फेंगशुई में समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इसकी गोल और हरी पत्तियां सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं और आर्थिक उन्नति में सहायक होती हैं।

वास्तु के अनुसार इस पौधे को उत्तर, पूर्व या दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है। उत्तर दिशा करियर और धन से जुड़ी मानी जाती है, जबकि दक्षिण-पूर्व दिशा को वैभव और आर्थिक स्थिरता का क्षेत्र माना जाता है। मुख्य द्वार के दाईं ओर या ड्राइंग रूम में इसे रखना भी लाभकारी बताया गया है। हालांकि वास्तु मान्यताओं के अनुसार क्रासुला प्लांट को बेडरूम, बाथरूम, रसोईघर या अंधेरी जगहों पर नहीं रखना चाहिए। माना जाता है कि सही स्थान पर रखा गया यह पौधा घर में सकारात्मक वातावरण और सुख-समृद्धि बढ़ाने में सहायक हो सकता है।

अधिक मास में गोवर्धन में उमड़ा परिक्रमार्थियों का सैलाब।

वास्तु शास्त्र: इन कपड़ों से नहीं करनी चाहिए घर की साफ-सफाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। सिर्फ घर को साफ-सुथरा रखना जरूरी नहीं होता है। बल्कि यह भी मायने रखता है कि आप अपने घर को किस तरह से साफ करते हैं।

आमतौर पर हम सभी घर के पुराने और बेकार कपड़ों को घर की साफ-सफाई में इस्तेमाल करते हैं। घर की साफ-सफाई करना कई मायनों में बेहद खास होता है। क्योंकि साफ-सुथरा घर न सिर्फ देखने में अच्छा लगता है, बल्कि ऐसे घरों में बीमारियों का खतरा भी कम होता है। वहीं साफ-सफाई से घर में पॉजिटिव एनर्जी भी बनी रहती है। लेकिन सिर्फ घर को साफ-सुथरा रखना जरूरी नहीं होता है। बल्कि यह भी मायने रखता है कि आप अपने घर को किस तरह से साफ करते हैं।

आमतौर पर हम सभी घर के पुराने और बेकार कपड़ों को घर की साफ-सफाई में इस्तेमाल करते हैं।

अगर आप घर की सफाई किसी पुराने कपड़े से करती हैं, तो आप गलत हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे कपड़ों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनसे आपको घर की साफ-सफाई नहीं करनी चाहिए।

छोटे बच्चे के कपड़े : अगर आपके घर में भी कोई छोटा बच्चा है। तो कभी भी घर की डस्टिंग या साफ-सफाई के लिए छोटे बच्चे के कपड़े का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। क्योंकि वास्तु में इसे अच्छा नहीं माना गया है। छोटे बच्चे के कपड़े से साफ-सफाई करने से बच्चे की सेहत पर नकारात्मक असर पड़ता है।

अंडरगारमेंट्स : वास्तु शास्त्र के मुताबिक कभी भी किसी भी तरह के अंडरगारमेंट्स से घर में साफ-सफाई नहीं करनी चाहिए। क्योंकि इस तरह के कपड़ों का एनर्जी लेवल अच्छा नहीं माना जाता है। इससे घर की सकारात्मक ऊर्जा कम होती है। वहीं इन कपड़ों का आकार और साइज कुछ भी हो, लेकिन इससे घर की डस्टिंग करना संभव नहीं हो पाता है।

दिवंगत व्यक्ति के कपड़े : जब किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है, तो उसके कपड़े बेकार हो जाते हैं। वहीं बहुत सारे लोग मृतक व्यक्ति के कपड़ों को घर की साफ-सफाई में इस्तेमाल करने लग जाते हैं। वास्तु शास्त्र के मुताबिक ऐसा करने से बचना चाहिए। बता दें कि मृतक व्यक्ति के कपड़ों से घर की साफ-सफाई करना अच्छा नहीं माना जाता है।

सिंथेटिक कपड़ा : इसके साथ ही सिंथेटिक कपड़े से भी घर की साफ-सफाई नहीं करनी चाहिए। क्योंकि जब आप इन कपड़ों से डस्टिंग या पोंछा लगाते हैं, तो इनमें इलेक्ट्रोस्टेटिक चार्ज बन जाता है। वहीं इस कपड़े को घर की चीजों के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। अगर इस तरह के कपड़े का इस्तेमाल उत्तर व पूर्व दिशा में क्लीनिंग के लिए किया जाता है, तो इससे आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है। इससे आगे बढ़ने के रास्ते रुक जाते हैं। इससे आपके घर में कलह का माहौल भी बन सकता है।

सम्पादकीय

अस्पताल का अनुभव बताएगा आपका सही करियर

भारत में डॉक्टर बनना आज केवल एक करियर विकल्प नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा और सफलता का प्रतीक बन चुका है। हर साल लाखों छात्र मेडिकल प्रवेश परीक्षा ठएएळ की तैयारी में जुट जाते हैं। कोचिंग संस्थानों के लंबे घंटों, नोट्स और मॉक टेस्ट के बीच उनका पूरा ध्यान केवल एक लक्ष्य पर केंद्रित रहता है–किसी भी तरह मेडिकल कॉलेज में प्रवेश प्राप्त करना। लेकिन एक महत्वपूर्ण सवाल अक्सर पीछे छूट जाता है कि क्या इन छात्रों को वास्तव में पता है कि डॉक्टर का जीवन कैसा होता है?

आज अधिकांश छात्र अस्पताल के माहौल को केवल मरीज या परिजन के रूप में जानते हैं। उन्हें यह नहीं मालूम कि ऑपरेशन थिएटर की वास्तविकता क्या होती है, इमरजेंसी वार्ड का दबाव कैसा होता है या गंभीर मरीजों और उनके परिवारों के बीच काम करना कितना चुनौतीपूर्ण होता है। ऐसे में केवल परीक्षा के अंकों के आधार पर जीवनभर का पेशा चुन लेना कई बार गलत साबित हो सकता है।

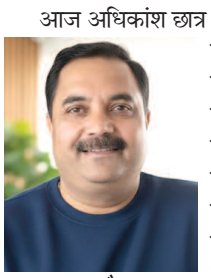

पवन गौतम
संपादक

अमेरिका सहित कई देशों में मेडिकल शिक्षा से पहले छात्रों को अस्पतालों में डॉक्टरों के साथ ऑब्जर्वेशन या शैडोइंग का अवसर दिया जाता है। इससे वे पेशे की वास्तविक परिस्थितियों को समझ पाते हैं और अपने निर्णय को अधिक परिपक्वा के साथ लेते हैं। भारत में ऐसी व्यवस्था लगभग नहीं के बराबर है। परिणामस्वरूप अनेक छात्र मेडिकल कॉलेज पहुंचने के बाद महसूस करते हैं कि यह पेशा उनकी कल्पनाओं से बिल्कुल अलग है। चिकित्सा केवल विज्ञान नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, धैर्य और सेवा का भी क्षेत्र है। एक अच्छा डॉक्टर बनने के लिए किताबों का ज्ञान जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी मरीजों के दर्द को समझने की क्षमता भी है। केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाना किसी को उत्कृष्ट चिकित्सक नहीं बना सकता। इसलिए समय की मांग है कि मेडिकल शिक्षा की ओर बढ़ने वाले विद्यार्थियों को अस्पतालों का नियंत्रित और सुरक्षित अवलोकन करने का अवसर मिले। इससे वे चिकित्सा पेशे की चुनौतियों, जिम्मेदारियों और मानवीय पक्ष को करीब से समझ सकेंगे। यह व्यवस्था न केवल बेहतर डॉक्टर तैयार करेगी, बल्कि उन छात्रों को भी सही दिशा देगी जो केवल सामाजिक दबाव या भ्रम के कारण इस क्षेत्र में आना चाहते हैं।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

डॉक्टर बनने का फैसला जीवन का बड़ा निर्णय है। यह निर्णय केवल किताबों और कोचिंग कक्षाओं के आधार पर नहीं, बल्कि अस्पताल की वास्तविक दुनिया को देखकर लिया जाना चाहिए।

नजरिया

राष्ट्रनिर्माता गृहिणी, फिर भी हिंसा की शिकार क्यों?

बोध प्रकाश सगुणी

भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति, ममता और त्याग का प्रतीक माना गया है। उसे परिवार की धुरी और समाज की आधारशिला कहा जाता है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने गृहिणियों को 'राष्ट्रनिर्माता' की संज्ञा देकर उनके योगदान को नई पहचान दी। यह केवल एक कानूनी टिप्पणी नहीं, बल्कि उस अदृश्य श्रम को सम्मान देने का प्रयास है, जो वर्षों से घरों की चारदीवारी के भीतर बिना किसी वेतन और पहचान के किया जाता रहा है।

लेकिन इस सम्मानजनक घोषणा के समानांतर एक कड़वी सच्चाई भी खड़ी है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि देश में लाखों महिलाएं आज भी घरेलू हिंसा, मानसिक प्रताड़ना और सामाजिक भेदभाव का सामना कर रही हैं। सवाल यह है कि जिस महिला को राष्ट्र निर्माण का आधार माना जा रहा है, वही अपने ही घर में असुरक्षित क्यों है?

एक गृहिणी केवल खाना बनाने या घर की सफाई करने तक सीमित नहीं होती। वह बच्चों को संस्कार देती है, बुजुर्गों की देखभाल करती है, परिवार की भावनात्मक स्थिरता बनाए रखती है और संकट के समय सबसे मजबूत सहारा बनती है। यदि किसी गृहिणी द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों का आर्थिक मूल्यांकन किया जाए, तो उसकी मासिक आय किसी पेशेवर कर्मचारी से कम नहीं होगी। इसके बावजूद समाज लंबे समय तक उसके योगदान को 'कर्तव्य' कहकर नजरअंदाज करता रहा। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गृहिणियों के श्रम को आर्थिक महत्व देने की बात को ऐतिहासिक माना जा रहा है।

यह निर्णय हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र केवल संसद, उद्योग और कार्यालयों से नहीं बनता, बल्कि उन घरों से बनता है जहां भविष्य की पीढ़ियां तैयार होती हैं। परिवार का निर्माण और उसके मूल्यों की रक्षा करने में महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। उनके त्याग, परिश्रम और समर्पण के बिना किसी भी समाज की स्थिरता की कल्पना नहीं की जा सकती।

एक ओर गृहिणियों को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, दूसरी ओर देश में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं लगातार चिंता बढ़ा रही हैं। घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, मानसिक प्रताड़ना और आर्थिक शोषण जैसी समस्याएं आज भी व्यापक हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि अधिकांश हिंसा घर के भीतर ही होती है। वह स्थान, जिसे सुरक्षा और प्रेम का केंद्र माना जाता है, कई महिलाओं के लिए भय और अपमान का कारण बन जाता है।

हिंसा केवल शारीरिक नहीं होती। ताने देना, निर्णय लेने का अधिकार छीनना, आर्थिक निर्भरता का फायदा उठाना और मानसिक दबाव बनाना भी हिंसा के ही रूप हैं। दुर्भाग्य से समाज इन व्यवहारों को अक्सर सामान्य मानकर अनदेखा कर देता है। यही कारण है कि अनेक महिलाएं वर्षों तक प्रताड़ना सहने के बावजूद अपनी आवाज नहीं उठा पातीं। भारत ने विज्ञान, तकनीक और अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन सामाजिक सोच की गति कई बार विकास से पीछे रह जाती है। आज भी अनेक परिवारों में पुरुष को अंतिम निर्णयकर्ता माना जाता है और महिला की भूमिका को सीमित कर दिया जाता है। घर का सारा दायित्व निभाने के बावजूद महिलाओं को बराबरी का अधिकार नहीं मिल पाता। यही सोच कई बार हिंसा और भेदभाव का रूप ले लेती है।

विडंबना यह है कि जिस महिला के श्रम पर पूरा परिवार निर्भर होता है, उसी के निर्णयों को महत्व नहीं दिया जाता। सम्मान के शब्द तो मिलते हैं, लेकिन व्यवहार में समानता अक्सर दिखाई नहीं देती। यह विरोधाभास भारतीय समाज के सामने एक बड़ी चुनौती बनकर खड़ा है। शिक्षा और जागरूकता बढ़ने के बावजूद दहेज प्रथा समाज से समाप्त नहीं हो सकी है। अनेक मामलों में दहेज की मांग विवाह को आर्थिक सौदे में बदल देती है। हर वर्ष दहेज उत्पीड़न और दहेज हत्या के हजारों मामले सामने आते हैं। यह स्थिति बताती है कि महिलाओं को सम्मान देने की बातें अभी भी सामाजिक व्यवहार में पूरी तरह नहीं उतर पाई हैं। सबसे दुखद पहलू यह है कि कई बार शिक्षित और आर्थिक रूप से संपन्न परिवार भी इस कुरीति का हिस्सा बन जाते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि

समस्या केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानसिकता से जुड़ी हुई है। जब तक समाज महिलाओं को व्यक्ति के रूप में सम्मान देना नहीं सीखेगा, तब तक ऐसी कुरीतियों का अंत कठिन रहेगा। महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक कानून बनाए गए हैं। घरेलू हिंसा अधिनियम, दहेज निषेध कानून और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संरक्षण जैसे प्रावधान महिलाओं को कानूनी सुरक्षा प्रदान करते हैं। फिर भी अपराध क्यों नहीं रुक रहे? इसका कारण यह है कि कानून अपराध को दंडित कर सकता है, लेकिन मानसिकता को नहीं बदल सकता। कई महिलाएं सामाजिक दबाव, आर्थिक निर्भरता और परिवार टूटने के डर से शिकायत दर्ज कराने से बचती हैं। परिणामस्वरूप हिंसा का चक्रलगातार चलता रहता है। इसलिए केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक जागरूकता पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा।

महिला सशक्तीकरण का अर्थ केवल नौकरी, राजनीति या आर्थिक स्वतंत्रता नहीं है। वास्तविक सशक्तीकरण तब होगा जब महिला स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और स्वतंत्र महसूस करे। यदि कोई महिला उच्च पद पर कार्यरत है, लेकिन घर में हिंसा सह रही है, तो उसका सशक्तीकरण अधूरा है। यदि किसी महिला को मतदान का अधिकार है, लेकिन अपने जीवन के फैसले लेने की स्वतंत्रता नहीं है, तो समानता केवल कागजों तक सीमित है। समस्या का समाधान केवल सरकारों या अदालतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। बदलाव की शुरुआत परिवार और समाज से ही होगी। बच्चों को बचपन से ही लैंगिक समानता के संस्कार दिए जाने चाहिए। लड़कों को यह सिखाना होगा कि घर का काम केवल महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं है। सम्मान और साझेदारी का भाव ही स्वस्थ परिवार की नींव बन सकता है। समय आ गया है कि घरेलू कार्यों को केवल निजी जिम्मेदारी न माना जाए। यह श्रम समाज और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। गृहिणियों के योगदान को आर्थिक विमर्श का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। सामाजिक सुरक्षा, बीमा, पेंशन और वित्तीय जागरूकता जैसी योजनाओं को उनके साथ जोड़ना आवश्यक है। इससे न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा, बल्कि समाज में उनकी भूमिका को भी उचित सम्मान मिलेगा।

सर्वोच्च न्यायालय का गृहिणियों को राष्ट्रनिर्माता बताना एक स्वागतयोग्य और ऐतिहासिक पहल है। इससे उन करोड़ों महिलाओं को सम्मान मिला है, जिनके श्रम ने परिवारों और समाज को मजबूत बनाया है। लेकिन केवल सम्मानजनक शब्द पर्याप्त नहीं हैं। जब तक महिलाएं हिंसा, भेदभाव और असुरक्षा से मुक्त नहीं होंगी, तब तक सच्चे अर्थों में राष्ट्र निर्माण अधूरा रहेगा। आज आवश्यकता महिलाओं के श्रम का मूल्यांकन करने से भी अधिक उनके जीवन, सम्मान और अधिकारों को समझने की है। जिस दिन हर महिला अपने घर और समाज में सुरक्षित, सम्मानित और स्वतंत्र महसूस करेगी, उसी दिन राष्ट्रनिर्माण का सपना वास्तव में साकार होगा। तब 'राष्ट्रनिर्माता गृहिणी' केवल एक उपाधि नहीं, बल्कि भारतीय समाज की जीवंत सच्चाई होगी।

विचार विण्डो

हर दिन सीखना ही जीवन की असली जीत

राम प्रकाश अग्रवाल

आज का समय अभूतपूर्व बदलावों का दौर है। तकनीक ने जीवन को जितना आसान बनाया है, उतना ही जटिल भी। इंटरनेट ने दुनिया को हमारी हथेली में समेट दिया है। किसी भी विषय की जानकारी कुछ ही सेकंड में उपलब्ध हो जाती है। सवाल पूछिए और जवाब सामने है। लेकिन इस सुविधा के बीच एक महत्वपूर्ण सवाल उभरता है–क्या हम जानकारी तो हासिल कर रहे हैं, लेकिन सोचने की क्षमता खोते जा रहे हैं? हाल ही में भारत के सबसे मूल्यवान सेलिब्रिटीज की सूची में शामिल हुए अमिताभ बच्चन ने अपने विचारों में इसी चिंता को बेहद सहज ढंग से व्यक्त किया है। उनका कहना है कि आज जानकारी प्राप्त करना आसान हो गया है, लेकिन सोचने और समझने की प्रक्रिया कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है। यह बात केवल तकनीक की आलोचना नहीं, बल्कि आधुनिक जीवन के एक बड़े सच की ओर संकेत है।

दरअसल, इंटरनेट ने हमें सूचना सम्पन्न बनाया है, लेकिन हर सूचना ज्ञान नहीं होती। ज्ञान वह है जो अनुभव, विवेक और चिंतन से विकसित होता है। आज हम हर प्रश्न का उत्तर खोज लेते हैं, लेकिन उन उत्तरों पर विचार करने के लिए समय नहीं निकालते। परिणामस्वरूप जानकारी का विशाल भंडार होने के बावजूद हमारी समझ कई बार सतही रह जाती है।

मनुष्य और मशीन के बीच सबसे बड़ा अंतर सोचने की क्षमता है। मशीनें जानकारी संग्रहित कर सकती हैं, उसका विश्लेषण कर सकती हैं और परिणाम प्रस्तुत कर सकती हैं। लेकिन अनुभवों को भावनाओं से जोड़ना, सही और गलत के बीच अंतर करना, परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेना और जीवन के अर्थ को समझना केवल मनुष्य की विशेषता है। यदि हम हर निर्णय के लिए तकनीक पर निर्भर हो जाएं, तो धीरे–धीरे हमारी स्वतंत्र सोच कमजोर पड़ सकती है। आज का युवा वर्ग इंटरनेट और सोशल मीडिया के बीच बड़ा हो रहा है। उसके पास जानकारी की कोई कमी नहीं है। लेकिन चुनौती यह है कि वह सही और गलत जानकारी के बीच अंतर कैसे करे। डिजिटल मंचों पर हर दिन लाखों खबरें, वीडियो और विचार सामने आते हैं। इनमें से बहुत–सी सूचनाएं अपुष्ट, भ्रामक या अधूरी भी होती हैं। ऐसे में केवल जानकारी प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे समझना और परखना भी आवश्यक है।

मानव मस्तिष्क की सबसे बड़ी विशेषता उसकी असीम क्षमता है। अक्सर लोगों को लगता है कि एक उम्र के बाद सीखना कठिन हो जाता है या मस्तिष्क की क्षमता सीमित हो जाती है। लेकिन विज्ञान और अनुभव दोनों बताते हैं कि सीखने की कोई आयु नहीं होती। मनुष्य जीवन भर नई चीजें सीख सकता है, नई परिस्थितियों को समझ सकता है और स्वयं को बेहतर बना स्कता है। यही कारण है कि बदलते समय में निरंतर सीखते रहने की प्रवृत्ति सबसे बड़ी ताकत बन गई है। जो व्यक्ति सीखना बंद कर देता है, वह समय के साथ पीछे छूट जाता है। वहीं जो व्यक्ति जिज्ञासु बना रहता है, वह उम्र और परिस्थितियों की सीमाओं को पार कर नई सफलताएं हासिल करता है। जीवन स्वयं भी एक निरंतर सीखने की प्रक्रिया है। हर दिन नए अनुभव लेकर आता है। हर चुनौती हमें कुछ सिखाती है। हर असफलता कोई न कोई संदेश देती है। लेकिन आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी समस्या यह है कि हम एक साथ बहुत कुछ हासिल करना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि सारे लक्ष्य तुरंत पूरे हो जाएं, सारी समस्याएं एक साथ हल हो जाएं और हर काम बिना किसी कठिनाई के संपन्न हो जाए।

यहीं से तनाव की शुरुआत होती है। जब अपेक्षाएं वास्तविकता से अधिक हो जाती हैं, तो मन पर दबाव बढ़ने लगता है। व्यक्ति को लगता है कि अभी बहुत कुछ बाकी है, बहुत कुछ अधूरा है और समय बहुत कम है। यह चिंता धीरे–धीरे मानसिक थकान में बदल जाती है। वास्तव में सफलता का सबसे प्रभावी सिद्धांत वही है जिसे सरल शब्दों में 'एक समय में एक काम' कहा जा सकता है। जब हम किसी एक कार्य पर पूरी एकाग्रता से ध्यान देते हैं, तो उसकी गुणवत्ता भी बढ़ती है और मन भी संतुलित रहता है। इसके विपरीत एक साथ कई दिशाओं में भागने की कोशिश हमें केवल थका देती है। मानसिक शांति का संबंध केवल बड़ी उपलब्धियों से नहीं होता। कई बार जीवन की छोटी–छोटी बातें हमें सबसे अधिक राहत देती हैं। किसी प्रिय व्यक्ति से बातचीत, परिवार के साथ बिताया गया समय, बचपन की यादें या मां की सीख जैसे साधारण अनुभव भी मन को स्थिर करने की क्षमता रखते हैं। आज की तेज रफ्तार दुनिया में लोग बड़े समाधान खोजते हैं, जबकि कई समस्याओं का उत्तर छोटे बदलावों में छिपा होता है। यदि कोई आदत परेशान कर रही है, तो उसमें थोड़ा–सा सुधार किया जा सकता है। यदि कोई दिनचर्या तनाव पैदा कर रही है, तो उसमें छोटा–सा परिवर्तन किया जा सकता है। धीरे–धीरे यही छोटे कदम बड़े बदलाव का आधार बनते हैं।

यह भी सच है कि जीवन की अधिकांश समस्याएं उतनी बड़ी नहीं होतीं, जितनी हम उन्हें अपने मन में बना लेते हैं। कई बार जिस बात को लेकर हम दिनों तक चिंतित रहते हैं, उसका समाधान बेहद सरल निकलता है। समस्या हल होने के बाद अक्सर यही महसूस होता है कि हमने अनावश्यक रूप से अपनी ऊर्जा और समय व्यर्थ किया। इसलिए आवश्यक है कि हम जीवन को संतुलित दृष्टि से देखें। तकनीक का उपयोग करें, लेकिन उस पर पूरी तरह निर्भर न हो जाएं। जानकारी प्राप्त करें, लेकिन उस पर विचार भी करें। आधुनिकता को अपनाएं, लेकिन अपनी संवेदनाओं और मानवीय मूल्यों को न भूलें। सीखते रहें, लेकिन स्वयं को मशीन न बनने दें। डिजिटल युग ने हमें अभूतपूर्व अवसर दिए हैं। अब चुनौती यह नहीं है कि जानकारी कहां से मिलेगी, बल्कि यह है कि हम उस जानकारी का उपयोग कैसे करेंगे। यदि हम अपनी सोचने, समझने और सीखने की क्षमता को जीवित रख पाए, तो तकनीक हमारे विकास का साधन बनेगी। लेकिन यदि हमने अपनी बौद्धिक स्वतंत्रता खो दी, तो सारी सुविधाओं के बावजूद हम भीतर से कमजोर हो जाएंगे।

जीवन की जटिलताओं के बीच यही सबसे बड़ी सीख है कि मनुष्य की असली शक्ति उसके मस्तिष्क में नहीं, बल्कि उसके विवेक में होती है। जानकारी हमें दिशा दिखा सकती है, लेकिन सही रास्ता चुनने का काम आज भी हमारी सोच ही करती है। इसलिए बदलते समय में सबसे महत्वपूर्ण है–तकनीक के साथ चलना, लेकिन अपनी सोच को उसके हवाले न कर देना। यही संतुलन हमें बेहतर इंसान और बेहतर समाज की ओर ले जाएगा।

सुपर संडे पर फुटबॉल का डबल रोमांच

नीदरलैंड और जापान के बीच होगी कांटे की टक्कर

यूनिक समय, नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 में चौथे दिन फुटबॉल प्रशंसकों को कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। रविवार को चार मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें सबसे ज्यादा नजरें चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी और पहली बार विश्व कप खेल रही कुराकाओ की टीम के मुकाबले पर रहेंगी। इसके अलावा जापान और नीदरलैंड के बीच होने वाली भिड़ंत को भी दिन का सबसे बड़ा मुकाबला माना जा रहा है।

जर्मनी की टीम इस विश्व कप में नई उम्मीदों के साथ मैदान में उतर रही है। 2014 में ब्राजील में विश्व कप जीतने के बाद जर्मनी लगातार दो संस्करणों में ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सकी थी। ऐसे में टीम पर इस बार बेहतर प्रदर्शन का दबाव भी है और उम्मीदें भी। जर्मन टीम अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ करना चाहेगी। दूसरी ओर, कुराकाओ के लिए यह टूर्नामेंट ऐतिहासिक है। कैरेबियाई क्षेत्र का यह छोटा देश पहली बार फीफा विश्व कप में हिस्सा ले रहा है और अपनी छाप छोड़ने के इरादे से मैदान में उतरेगा।

दिन का दूसरा और सबसे चर्चित मुकाबला नीदरलैंड और जापान के बीच खेला जाएगा। नीदरलैंड की टीम तीन बार विश्व कप फाइनल तक पहुंच चुकी है, लेकिन अब तक खिताब जीतने का सपना पूरा नहीं कर सकी है। इस बार टीम मजबूत दावेदारों में शामिल मानी जा रही है। दूसरी ओर, जापान लगातार आठवें विश्व कप में खेल रहा है और एशिया की सबसे सफल टीमों में गिना जाता है। हाल के वर्षों में जापान ने विश्व फुटबॉल में अपनी पहचान मजबूत की है। ऐसे में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है।

ग्रुप–ई के एक अन्य मुकाबले में आइवरी कोस्ट का सामना इक्वाडोर से होगा। दक्षिण अमेरिकी टीम इक्वाडोर ने क्वालिफिकेशन चरण में शानदार प्रदर्शन किया था और अर्जेंटीना के बाद दूसरा स्थान हासिल किया था। वहीं, आइवरी कोस्ट 12 साल बाद विश्व कप में वापसी कर रहा है। अफ्रीकी टीम इस अवसर को यादगार बनाना चाहेगी और जीत के साथ शुरुआत करने की कोशिश करेगी।

चौथे दिन का अंतिम मुकाबला स्वीडन और ट्यूनीशिया के बीच खेला जाएगा। ट्यूनीशिया लगातार तीसरी बार विश्व कप में हिस्सा ले रहा है, लेकिन अब तक कभी ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाया है। दूसरी ओर, स्वीडन का विश्व कप इतिहास काफी समृद्ध रहा है। टीम 1994 में तीसरे स्थान पर रही थी और इस बार भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद के साथ मैदान में उतरेगी।

रश्मिका–विजय की पहल: 180 छात्रों को मिलेगी स्कॉलरशिप

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेता विजय देवरकोंडा और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने शिक्षा के क्षेत्र में एक सराहनीय पहल करते हुए तेलंगाना के 180 विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप देने की घोषणा की है। दोनों कलाकारों ने अपनी संस्था देवरकोंडा फाउंडेशन के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों की पढ़ाई में सहयोग करने का निर्णय लिया है। विजय देवरकोंडा ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि वह अपने पिता के पैतृक गांव थुम्मनपेटा पहुंचे, जहां से इस पहल को आगे बढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष फरवरी में उन्होंने और रश्मिका ने अचमपेट मंडल के 9वीं और 10वीं कक्षा के मेहनती विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने का सपना देखा था, जिसे अब पूरा किया जा रहा है। इस योजना के तहत थुम्मनपेटा क्षेत्र के 44 सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। इसका उद्देश्य उन विद्यार्थियों की मदद करना है, जो आर्थिक कठिनाइयों के कारण पढ़ाई बीच में छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। फाउंडेशन ने लाभार्थी 180 छात्रों की सूची भी साझा की है। रश्मिका मंदाना ने भी इस पहल पर खुशी जताते हुए विजय की पोस्ट को साझा किया। दोनों कलाकारों के इस कदम की सोशल मीडिया पर जमकर सराहना हो रही है।

तेलंगाना के 44 सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों की पढ़ाई का उठाया जिम्मा

उर्मिला मातोंडकर के पूर्व पति मोहसिन अख्तर ने रचाई दूसरी शादी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर के पूर्व पति और अभिनेता–मॉडल मोहसिन अख्तर मीर ने अपनी जिंदगी की नई शुरुआत कर ली है। उर्मिला से अलगाव के करीब दो साल बाद मोहसिन ने निधा भट्ट के साथ शादी रचा ली है। उनकी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आते ही तेजी से वायरल हो गईं और प्रशंसकों ने उन्हें नई जिंदगी के लिए शुभकामनाएं दीं।

मोहसिन अख्तर मीर और उर्मिला मातोंडकर की शादी वर्ष 2016 में हुई थी। दोनों की जोड़ी लंबे समय तक चर्चा में रही, लेकिन बाद में उनके रिश्ते में दूरियां आ गईं और दोनों अलग हो गए। तलाक के बाद मोहसिन ने

अपनी निजी जिंदगी को काफी हद तक सार्वजनिक नजरों से दूर रखा था। ऐसे में उनकी दूसरी शादी की खबर ने कई लोगों को चौंका दिया है।

मोहसिन ने सोशल मीडिया पर शादी की कई तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें वह और निधा भट्ट पारंपरिक परिधानों में नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में शादी की रस्मों और पारिवारिक समारोह की झलक भी दिखाई दे रही है। तस्वीरों के साथ उन्होंने एक भावुक संदेश भी लिखा, जिसमें जीवन के इस नए अध्याय को लेकर खुशी व्यक्त की और अपने शुभचिंतकों का आभार जताया।

तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल

सोशल मीडिया पर फैंस और करीबी दोस्तों ने मोहसिन को बधाई देते हुए उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की है। कई यूजर्स ने तस्वीरों पर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं देते हुए नए जोड़े के लिए शुभ संदेश लिखे।

मोहसिन अख्तर मीर मॉडलिंग और अभिनय की दुनिया से जुड़े रहे हैं, हालांकि उन्हें सबसे अधिक पहचान उर्मिला मातोंडकर के साथ रिश्ते की वजह से मिली। दूसरी ओर, उर्मिला मातोंडकर फिल्म और राजनीति दोनों क्षेत्रों में सक्रिय रही हैं। तलाक के बाद उन्होंने भी अपनी निजी जिंदगी को लेकर सार्वजनिक रूप से बहुत कम बातें की हैं।

मोहसिन की दूसरी शादी के बाद एक बार फिर उनकी और उर्मिला की पुरानी शादी चर्चा का विषय बन गई है। फिलहाल सोशल मीडिया पर नए जोड़े की तस्वीरें और उन्हें मिल रही शुभकामनाएं सुर्खियों में हैं।

सपना चौधरी घरेलू विवाद के बीच बोलीं 'कहीं का किया कहीं तो भुगतोगे'

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणवी सिंगर और डांसर सपना चौधरी इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पति वीर साहू के साथ चल रहे विवाद और घरेलू हिंसा के आरोपों के बीच सपना लगातार सोशल मीडिया पर ऐसे पोस्ट साझा कर रही हैं, जिनकी खूब चर्चा हो रही है। उनके हालिया पोस्ट ने एक बार फिर लोगों का ध्यान खींच लिया है। सोशल मीडिया यूजर्स इसे उनके वैवाहिक विवाद से जोड़कर देख रहे हैं, हालांकि सपना ने अपने पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया है। सपना चौधरी ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर सफेद साड़ी में अपनी कुछ तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों के साथ उन्होंने एक संदेश भी लिखा, जिसे लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। सपना ने लिखा, "दूसरों की कमियां निकालकर अपने किरदार को अच्छा बनाना आजकल ट्रेंड में है। लेकिन मैं बदले पर यकीन नहीं रखती... मुझे भरोसा है कि कहीं का किया कहीं तो भुगतोगे ही। पोस्ट सामने आते ही फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स ने इसके अलग–अलग मायने निकालने शुरू कर दिए। कई लोगों का मानना है कि यह संदेश उनके पति वीर साहू की ओर इशारा हो सकता है। यह पहला मौका नहीं है जब सपना के किसी पोस्ट ने चर्चा बटोरी हो। इससे पहले उन्होंने एक और क्रिप्टिक पोस्ट साझा किया था, जिसमें खुद को 'पिशाचिनी' बताया था। उस पोस्ट में उन्होंने लिखा था, "अब तक उसने मुझसे मा..मा..माशूका, ओ माय माशूका... नहीं बोला, शायद मैं उसकी पिशाचिनी हूं। इस पोस्ट को भी लोगों ने उनके वैवाहिक विवाद से जोड़कर देखा था।

टॉस के दौरान भी कायम रही 'नो हैंडशेक' परंपरा

टॉस जीतकर भारत ने चुनी बल्लेबाजी

यूनिक समय, नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले एक बार फिर 'नो हैंडशेक' पॉलिसी चर्चा का विषय बन गई। बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर टॉस के दौरान भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना से हाथ नहीं मिलाया। इसके साथ ही भारत–पाकिस्तान मुकाबलों में पिछले कुछ समय से चली आ रही यह परंपरा बरकरार रही।

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबलों को हमेशा से खास माना जाता है। मैदान पर दोनों टीमों के आमने–सामने आने से पहले ही फैंस के बीच उत्साह चरम पर पहुंच जाता है। ऐसे में टॉस के दौरान दोनों कप्तानों के व्यवहार पर भी सभी की नजरें टिकी रहती हैं। एजबेस्टन में हुए टॉस के समय हरमनप्रीत और फातिमा सना ने औपचारिक

अभिवादन तो किया, लेकिन दोनों के बीच हाथ मिलाने की तस्वीर देखने को नहीं मिली।

टॉस जीतने के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। उन्होंने कहा कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अनुकूल नजर आ रही है और टीम बड़ा स्कोर खड़ा करना चाहती है। हरमनप्रीत ने कहा कि खिलाड़ी काफी उत्साहित हैं और टीम पिछले विश्व कप से मिले आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरी है। उन्होंने बताया कि भारतीय टीम इस मुकाबले में तीन स्पिनर और दो मध्यम तेज गेंदबाजों के साथ खेल रही है।

मुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी हरमनप्रीत कौर से हैंडशेक को लेकर सवाल पूछा गया था। इस पर उन्होंने कहा था कि टीम का पूरा ध्यान सिर्फ क्रिकेट पर है और खिलाड़ी मैदान के बाहर की बातों पर चर्चा नहीं करते। भारतीय कप्तान ने कहा कि भारत–पाकिस्तान मैच को लेकर दबाव हमेशा रहता है, लेकिन टीम इसे एक सामान्य मुकाबले की तरह लेकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ध्यान देती है।

भारत ने इस मुकाबले के लिए स्मृति मंधाना, शैफाली वर्मा जेमिमा रोड्रिग्स, हरमनप्रीत कौर, भारती फुलमाली, ऋचा घोष, दीप्ति शर्मा अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल, श्री चरणी और क्रांति गौड़ को अंतिम एकादश में शामिल किया है। वहीं पाकिस्तान की टीम की कमान फातिमा सना संभाल रही हैं।

मैच से पहले टॉस के दौरान हुए इस घटनाक्रम ने एक बार फिर भारत–पाकिस्तान क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता से जुड़े प्रोटोकॉल और परंपराओं को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। हालांकि दोनों टीमों का मुख्य लक्ष्य मैदान पर बेहतर प्रदर्शन कर जीत हासिल करना है।

ऑटो चालक से राम मंदिर प्रबंधन तक उठे विवाद

टिन्नू यादव पर उठे सवाल

राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू

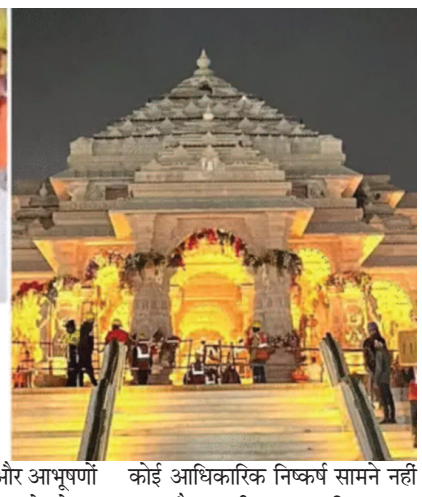

यूनिक समय, अयोध्या। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित अनियमितताओं के आरोपों के बीच ट्रस्ट से जुड़े रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव चर्चा के केंद्र में आ गए हैं। आरोपों की जांच के लिए राज्य सरकार ने एसआईटी का गठन किया है, जबकि मंदिर ट्रस्ट की ओर से अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई है।

जानकारी के अनुसार टिन्नू यादव का शुरुआती जीवन साधारण रहा। उनके पिता चाय बेचते थे और वह वर्षों पहले ऑटो व टेंपो चलाते थे। बाद में श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े लोगों के संपर्क में आने के बाद वह कारसेवकपुरम से जुड़े और धीरे-धीरे मंदिर प्रबंधन के महत्वपूर्ण कार्यों में शामिल हो गए।

पूर्व लेखा प्रभारी महिपाल सिंह ने आरोप लगाया है कि दानपेटियों से निकलने वाली धनराशि और आभूषणों के प्रबंधन में पारदर्शिता को लेकर सवाल हैं। उनका दावा है कि चढ़ावे से जुड़े कुछ रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज हटाए जाने जैसी घटनाएं भी हुईं। हालांकि इन आरोपों के समर्थन में अभी कोई आधिकारिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है। स्थानीय स्तर पर टिन्नू यादव की संपत्तियों और आर्थिक स्थिति में तेजी से हुए विस्तार को लेकर भी चर्चाएं हैं। अयोध्या में उनके आवास, हॉस्टल और अन्य निवेशों को लेकर

चढ़ावे की जांच में बढ़ी हलचल, संपत्तियों को लेकर चर्चा तेज

दानपेटियों के प्रबंधन पर आरोप, संपत्ति बढ़ने पर भी सवाल

विभिन्न दावे किए जा रहे हैं, जिनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। उधर टिन्नू यादव ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि उन्हें बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। उनका कहना है कि मंदिर में सभी प्रक्रियाएं निर्धारित नियमों के तहत होती हैं और किसी भी जांच में सच सामने आ जाएगा। अब एसआईटी की जांच रिपोर्ट पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

गंगा एक्सप्रेस-वे हादसे में चार दोस्तों की मौत

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज के जाफरपुर बाबूगंज निवासी अनुपम गुप्ता की सड़क हादसे में मौत के बाद शनिवार को उनके घर का माहौल बेहद भावुक हो गया। उन्नाव में गंगा एक्सप्रेस-वे पर हुए भीषण हादसे में जान गंवाने वाले अनुपम का शव जब घर पहुंचा तो पत्नी प्रिया बेसुध होकर रो पड़ीं। अंतिम विदाई के दौरान उन्होंने पति के हाथों से आखिरी बार अपनी मांग में सिंदूर भरवाया। यह मार्मिक दृश्य देखकर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं।

पति की लाश से पत्नी ने मांग में सिंदूर भरवाया

रोते हुए बोलीं—अब चूड़ियां कैसे उतारूं

पति के चरण स्पर्श कर प्रिया फूट-फूटकर रोती रहीं। उन्होंने कहा कि पति उनके लिए चूड़ियां लाने वाले थे, लेकिन अब उन्हें ही सुहाग की निशानियां उतारनी पड़ेंगी। वहीं, बेटे का शव देखकर मां भी बिलख उठीं और अंतिम बार चेहरा देखने की गुहार लगाती रहीं।

दरअसल, शुक्रवार को प्रयागराज और प्रतापगढ़ के चार दोस्त टाटा पंच कार से शिमला घूमने निकले थे। उन्नाव में गंगा एक्सप्रेस-वे पर उनकी कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और चारों दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों में अनुपम गुप्ता (32), उदय सिंह (28), विजय कुमार (40) और अमन कश्यप (28) शामिल थे। शनिवार को प्रयागराज के छतनाग घाट पर अनुपम, उदय और विजय का अंतिम संस्कार किया गया, जबकि अमन का अंतिम संस्कार प्रतापगढ़ के मांधाता स्थित पैतृक गांव में हुआ। चारों युवक अपने-अपने परिवारों के सहारे थे और कारोबार से जुड़े थे। इस दर्दनाक हादसे ने चार परिवारों की खुशियां छीन लीं। पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है और हर आंख नम दिखाई दी।

जंगल में ले जाकर युवती से सामूहिक दुष्कर्म

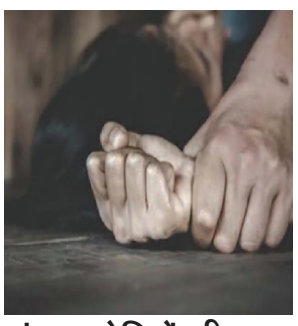

यूनिक समय, मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर के चरथावल थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिजनों के अनुसार, युवती शनिवार को किसी काम से खेत की ओर गई थी, लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटी। इसके बाद परिवार के लोगों ने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान युवती जंगल में बदहवास हालत में मिली। आरोप है कि एक युवक उसे बहाने से ले गया और नशीला पदार्थ सुंघाने के बाद अपने चार साथियों के साथ वारदात को अंजाम दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। देर रात क्षेत्राधिकारी सदर ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी है।

पांच आरोपियों की तलाश में पुलिस

मुजफ्फरनगर में सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामला दर्ज कर लिया गया है और कई टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं। जल्द गिरफ्तारी कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है और लोग दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

गन्ना किसानों को बड़ी सौगात मिलेगी

अलीगढ़ में बनेगी नई चीनी मिल, किसानों को मिलेगा लाभ

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ के गन्ना किसानों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। प्रदेश सरकार ने जिले में नई चीनी मिल स्थापित करने की योजना की घोषणा की है। यह जानकारी प्रदेश के कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने मीडिया संवाद के दौरान दी।

उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि आधारित उद्योगों को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। नई चीनी मिल शुरू होने से क्षेत्र के हजारों गन्ना किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी। किसानों को दूर-दराज की मिलों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जिससे परिवहन खर्च कम होगा और भुगतान प्रक्रिया भी तेज होने की उम्मीद है।

मंत्री ने बताया कि परियोजना से

नई चीनी मिल से बढ़ेगा रोजगार

स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा परिवहन, व्यापार और अन्य सहायक क्षेत्रों को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे जिले की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ग्रामीण विकास और किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। प्रस्तावित चीनी मिल अलीगढ़ के औद्योगिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। स्थानीय किसानों और नागरिकों ने इस घोषणा का स्वागत करते हुए जल्द परियोजना शुरू होने की उम्मीद जताई है।

पंचायत चुनाव में देरी पर राजभर ने सपा पर साधा निशाना

यूनिक समय, अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश के पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने पंचायत चुनाव में देरी को लेकर समाजवादी पार्टी और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार पंचायत चुनाव कराने की पूरी तैयारी कर चुकी थी, लेकिन न्यायालय में दायर याचिका के कारण चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हुई।

राजभर ने कहा कि सरकार अब अदालत के अंतिम निर्णय का इंतजार कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव के कानूनी सहयोगियों द्वारा दायर याचिका के चलते चुनाव समय पर नहीं हो सके।

कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर भी मंत्री ने पूर्व सपा सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में प्रदेश में शांति का माहौल है, जबकि पूर्ववर्ती सरकार के दौरान कई दंगे हुए थे। राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर उन्होंने कहा कि यह मामला मंदिर ट्रस्ट से जुड़ा है और इसकी जांच के लिए एसआईटी गठित की जा चुकी है। वहीं सोशल मीडिया पर राजनीतिक परिवारों की बेटियों के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों पर उन्होंने कहा कि किसी भी बेटी का सम्मान होना चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर अखिलेश के तीखे सवाल

एसआईटी जांच पर उठाए सवाल, सनातन को बताया बड़ा दुर्भाग्य

यूनिक समय, आगरा। आगरा में आयोजित विजन इंडिया कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने राम मंदिर चढ़ावा विवाद को लेकर भाजपा सरकार और जांच प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी की घटना के बाद संतों और मंदिर व्यवस्था की जांच अधिकारियों द्वारा किया जाना सनातन परंपरा के लिए दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम के मंदिर में श्रद्धालु आस्था से चढ़ावा चढ़ाते हैं और ऐसे मामलों को लेकर जिस तरह की परिस्थितियां बनी हैं, उससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यदि किसी ने गलती की है तो उसे सुधारने का अवसर दिया जाना चाहिए और आस्था के केंद्रों को विवादों से दूर रखा जाना चाहिए।

कार्यक्रम में उन्होंने छोटे और मध्यम कारोबारियों से संवाद भी किया। सपा प्रमुख ने दावा किया कि पिछले वर्षों में छोटे व्यापारियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है और उनकी समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि रोजगार और व्यापार को मजबूत किए बिना प्रदेश की आर्थिक प्रगति संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि इतने बड़े नेता को ऐसा विभाग दिया गया है, जिसके

छोटे कारोबारियों की समस्याएं उठाईं

मंत्री पद को लेकर साधा निशाना

संसाधनों और बजट को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं।

आगरा दौरे के दौरान सपा प्रमुख ने संगठन को मजबूत करने, व्यापारियों की समस्याओं और प्रदेश की राजनीति से जुड़े कई मुद्दों पर अपनी पार्टी का पक्ष रखा। उन्होंने आगामी राजनीतिक चुनौतियों के बीच कार्यकर्ताओं से जनता के बीच सक्रिय रहने का आह्वान भी किया।

फर्जी फर्म बनाकर 1.62 करोड़ की टैक्स चोरी

यूनिक समय, आगरा। आगरा में जीएसटी विभाग की जांच में फर्जी फर्म के जरिए 1.62 करोड़ रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) घोटाले का मामला सामने आया है। राज्य कर विभाग की शिकायत पर लोहामंडी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जांच में पता चला कि यूबी इंटरप्राइजेज नामक फर्म का पंजीकरण ग्वालियर रोड के पते पर कराया गया था। फर्म संचालक उमेश कुमार व्यास ने कॉपर स्क्रैप के कारोबार का दावा किया था, लेकिन सत्यापन के दौरान न तो फर्म का कार्यालय मिला और न ही गोदाम का कोई अस्तित्व पाया गया। राज्य कर विभाग के अनुसार पंजीकरण में लगाए गए टोरंट पावर के बिल और सर्विस नंबर भी संदिग्ध पाए गए। जांच में खुलासा हुआ कि बिना वास्तविक माल आपूर्ति के केवल कागजी बिलों के आधार पर आईटीसी का लाभ लिया गया। विभाग का आरोप है कि वित्तीय वर्ष 2021-22 में इस तरीके से 1.62 करोड़ रुपये की राजस्व क्षति पहुंचाई गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

22 मिनट के ओलों ने उजाड़े कश्मीर के सेब के बागान

किसानों के डूबे 400 करोड़

यूनिक समय, नई दिल्ली। कश्मीर में लगातार हो रही ओलावृष्टि और तूफानी बारिश ने सेब उत्पादकों की कमर तोड़ दी है। पिछले एक महीने में सात बार ओले गिरने से प्रदेश की करीब 30 प्रतिशत सेब फसल बर्बाद हो गई है। अनुमान है कि लगभग 7 लाख मीट्रिक टन सेब नष्ट हुए हैं, जिससे 300 से 400 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इस संकट से सेब उद्योग से जुड़े करीब 12 लाख लोगों की आजीविका प्रभावित हुई है।

अनंतनाग की किसान गुलशन बानो बताती हैं कि 5 और 9 जून को महज 22 मिनट चले तूफान और ओलों ने

30 प्रतिशत फसल हुई तबाह, राहत पैकेज की बढ़ी मांग

इतने बेबस हैं, बेटी की शादी टालनी पड़ेगी

लगातार दूसरे साल भारी नुकसान

उनके चार कनाल के बाग की 90 प्रतिशत फसल नष्ट कर दी। बेटी की शादी की तैयारियां भी अब अधर में लटक गई हैं। वहीं शोपियां के फैयाज अहमद भट्ट का कहना है कि लगातार दूसरे वर्ष उन्हें भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। जहां पहले बाग से 3 से 4 लाख रुपये की आय होती थी, वहीं इस बार 30 हजार रुपये भी मिलने की उम्मीद नहीं है। कुलगाम के किसान अब्दुल रशीद नजर के बाग में भी केवल 10 प्रतिशत फल बचे हैं, जो बाजार में बेचने लायक नहीं हैं। उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड से लिया गया 2 लाख रुपये का कर्ज चुकाने और बच्चों की पढ़ाई जारी रखने को लेकर चिंता जताई है। बारामूला, शोपियां, अनंतनाग, पुलवामा और कुलगाम जैसे कश्मीर के प्रमुख सेब उत्पादक क्षेत्रों में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। जम्मू-कश्मीर देश के कुल सेब उत्पादन का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा देता है और यहां हर साल 20 लाख मीट्रिक टन से अधिक सेब का उत्पादन होता है। प्रदेश की जीडीपी में इस उद्योग का योगदान 8 से 10 प्रतिशत है।

कश्मीर फ्रूट ग्रोअर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन ने सरकार से विशेष राहत पैकेज, कर्ज माफी और फसल बीमा योजना लागू करने की मांग की है। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते फसल बीमा लागू होता तो उन्हें कुछ राहत मिल सकती थी। अब उनकी उम्मीदें सरकारी सहायता पर टिकी हैं।

सिपाही भर्ती परीक्षा से पहले पाटलिपुत्र स्टेशन पर बवाल

अव्यवस्थाओं पर छात्रों ने जताया विरोध

ट्रेनों को रोककर किया प्रदर्शन

पुलिस ने संभाला बिगड़ता माहौल

छह उपद्रवी गिरफ्तार स्थिति सामान्य

यूनिक समय, नई दिल्ली। पटना में रविवार को बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा से पहले पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन पर भारी हंगामा हो गया। परीक्षा देने पहुंचे कुछ अभ्यर्थियों ने यात्रा और अन्य व्यवस्थाओं में अव्यवस्था का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। देखते ही देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई और प्रदर्शनकारियों ने कई ट्रेनों को रोक दिया।

हंगामे के दौरान स्टेशन परिसर में तोड़फोड़ की गई। कुछ दुकानों और परीक्षा स्पेशल ट्रेन को नुकसान पहुंचाया गया, जिससे स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को सख्ती बरतनी पड़ी। अधिकारियों के अनुसार, भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवाई फायरिंग भी की गई।

पटना के जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन ने बताया कि प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन कुछ असामाजिक तत्व लगातार व्यवधान उत्पन्न करते रहे। उन्होंने कहा कि पहले से दो स्पेशल ट्रेनें चलाई गई थीं, फिर भी कुछ लोगों ने चेन पुलिंग कर ट्रेनों को रोकने की कोशिश की।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रशासन का दावा है कि स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है और परीक्षा से संबंधित सभी ट्रेनें निर्धारित व्यवस्था के अनुसार रवाना कर दी गई हैं।

टीएमसी को झटका, मानस भुइंया ने छोड़ा साथ

पूर्व मंत्री का बड़ा राजनीतिक फैसला

बंगाल में बढ़ी सियासी अटकलें

यूनिक समय, नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका देते हुए वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मानस भुइंया ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना त्यागपत्र मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भेजते हुए कहा कि पार्टी अब उन सिद्धांतों और मूल्यों से दूर होती जा रही है, जिनके कारण वह इससे जुड़े थे। भुइंया ने स्पष्ट किया कि उनका राजनीति से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है और वे सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहेंगे। हालांकि उन्होंने अपने अगले राजनीतिक कदम का खुलासा नहीं किया। उनके इस्तीफे के बाद बंगाल की राजनीति में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस कदम से टीएमसी की संगठनात्मक स्थिति पर असर पड़ सकता है।

देहरादून हत्याकांड के बाद भड़का जनाक्रोश

यूनिक समय, नई दिल्ली। देहरादून के विकासनगर क्षेत्र में युवक विनोद की हत्या के बाद रविवार को माहौल तनावपूर्ण हो गया। गुस्साए लोगों ने आरोपी के घर पर हमला कर तोड़फोड़ की और उसमें आग लगा दी। घटना के बाद क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार को सरकारी ट्यूबवेल से खेत में पानी लगाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद शुरू हुआ था। देखते ही देखते विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि इम्तियाज और उसके साथियों ने विनोद तथा उसके भाइयों पर हमला कर दिया, जिसमें विनोद गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल विनोद को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की खबर फैलते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में लोग आरोपी के घर पहुंच गए और जमकर विरोध

खेत में पानी को लेकर विवाद

आरोपी के घर पर चला बुलडोजर

प्रदर्शन किया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने आरोपी के घर पर कथित अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। बुलडोजर की मदद से अवैध हिस्सों को हटाया गया। वहीं पुलिस ने मामले में तीन नामजद आरोपियों समेत 25 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर हालात पर नजर रखी जा रही है। अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि हत्या में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जयपुर में पुल से नदी में कूदा युवक, मचा हड़कंप

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान की राजधानी जयपुर के सांगानेर क्षेत्र में एक युवक के पुल से नदी में कूदने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सांगा सेतु पुलिया पर हुई इस घटना को देखकर मौके पर मौजूद लोग स्तब्ध रह गए। घटना के बाद वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक अचानक पुल की रेलिंग पर चढ़ा और देखते ही देखते नीचे गहरे पानी में छलांग लगा दी। सूचना मिलने पर पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद युवक को पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी हालत गंभीर हो चुकी थी। युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तुगलकाबाद अग्निकांड में साजिश का बड़ा खुलासा

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के तुगलकाबाद एक्सटेंशन में 12 जून की रात हुए भीषण अग्निकांड की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार यह हादसा नहीं, बल्कि पुरानी रंजिश के चलते रची गई एक सुनियोजित साजिश थी। इस दर्दनाक घटना में तीन लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य घायल हुए थे। जांच के दौरान इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिनमें एक महिला घटना से पहले इमारत की ओर जाती दिखाई दी। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय जानकारी के आधार पर जांच का दायरा बढ़ाया। पुलिस के मुताबिक पैसों के विवाद को लेकर चल रही रंजिश इस घटना की मुख्य वजह बनी।

आरोप है कि एक नाबालिग लड़की को स्कूटी में आग लगाने के लिए उकसाया गया था। उसे पेट्रोल और माचिस उपलब्ध कराई गई, लेकिन आग तेजी से फैलकर पूरी इमारत तक पहुंच गई। हादसे में कई लोग फंस गए और तीन लोगों की जान चली गई।

सीसीटीवी फुटेज से खुला राज

चार आरोपी पुलिस गिरफ्त में

पुलिस ने मामले में कथित मास्टरमाइंड निरंजन, उसके भाई राजकुमार, एक महिला सरिता और एक नाबालिग लड़की को हिरासत में लिया है। आरोपियों के खिलाफ साजिश, आगजनी और गैर इरादतन हत्या समेत कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

ईरान में बढ़ता विरोध, सड़कों पर उतरे हजारों प्रदर्शनकारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच संभावित शांति समझौते को लेकर देश के भीतर विरोध तेज हो गया है। विभिन्न शहरों में प्रदर्शनकारियों ने विदेश मंत्री अब्बास अराघची और अन्य वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ नारेबाजी करते हुए समझौते का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि अमेरिका के साथ किसी भी जल्दबाजी वाले समझौते से ईरान के राष्ट्रीय हित प्रभावित हो सकते हैं।

शनिवार को कई शहरों में लोगों ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। मशहद सहित कई स्थानों पर आयोजित सभाओं में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने

विदेश मंत्री पर उठे सवाल

सरकार से देश की सुरक्षा और रणनीतिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग की। विरोध कर रहे समूहों का मानना है कि लंबे समय से जारी तनाव और संघर्ष के बाद किसी भी समझौते में ईरान की शर्तों को प्रमुखता मिलनी चाहिए। वहीं सरकार का कहना है कि वार्ता प्रक्रिया में राष्ट्रीय हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत पर नजरें टिकी हैं।

नेपाल होटल में प्रिंस यादव की संदिग्ध मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। ज्ञान बिंदु जी.एस. एकेडमी के निदेशक रौशन आनंद के छोटे भाई प्रिंस यादव की नेपाल के एक होटल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद बिहार और नेपाल दोनों जगह हलचल मच गई है। प्रारंभिक जानकारी में मौत का कारण ब्रेन हेमरेज बताया जा रहा है, लेकिन नेपाल पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

बताया जा रहा है कि प्रिंस यादव अपने कुछ दोस्तों के साथ नेपाल में ठहरे हुए थे। घटना के समय होटल में मौजूद साथियों को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। शव को

खान सर विवाद से जुड़ा मामला

नेपाल पुलिस जांच में जुटी

भारत लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रिंस यादव का नाम हाल ही में चर्चित कोचिंग विवाद में सामने आया था। इसी मामले में उनके भाई रौशन आनंद पहले से जेल में हैं। पुलिस का कहना है कि मौत के कारणों का खुलासा जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

मुरैना रेल हादसा: आग की अफवाह से मची अफरातफरी

चार यात्रियों की दर्दनाक मौत

यूनिक समय, मुरैना। मध्य प्रदेश के मुरैना और राजस्थान के धौलपुर के बीच सरायछौला थाना क्षेत्र के हेतमपुर स्टेशन के पास रविवार शाम एक दर्दनाक रेल हादसा हो गया, जिसमें चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब खजुराहो–उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में मोबाइल फटने और आग लगने की अफवाह फैल गई, जिससे ट्रेन में अफरातफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, रविवार करीब 4:15 बजे उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल अंतर्गत हेतमपुर–धौलपुर रेलखंड पर ट्रेन में किसी यात्री द्वारा अलार्म चेन पुलिंग कर दी गई, जिससे गाड़ी बीच सेक्शन में रुक गई। इसी दौरान एक कोच में मोबाइल ब्लास्ट या आग लगने की अफवाह फैल गई। अफवाह के कारण यात्री घबरा गए और जान बचाने के लिए ट्रेन से उतरने और कूदने लगे। घबराए हुए कई यात्री पास की रेलवे लाइन पर पहुंच गए, तभी दूसरी दिशा से तेज रफ्तार में आ रही पातालकोट एक्सप्रेस वहां से गुजर रही थी। ट्रेन की चपेट में आने से चार यात्रियों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में एक मासूम बच्चा और महिलाएं भी शामिल हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई।

मृतकों की पहचान मेरठ, आगरा और राजस्थान के बीकानेर निवासी यात्रियों के रूप में हुई है। हादसे के बाद रेलवे ट्रैक पर अफरा–तफरी और चीख–पुकार का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

रेलवे प्रशासन के अनुसार, ट्रेन के रुकने का कारण चेन पुलिंग था और आग लगने की कोई पुष्टि नहीं हुई है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि यह हादसा पूरी तरह अफवाह के कारण हुआ। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

रेलवे ने घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि अफवाह फैलाने के पीछे क्या कारण था। इस हादसे ने एक बार फिर रेलवे सुरक्षा और यात्रियों की सतर्कता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

यूनिक समय, सौंख। थाना मगोर्रा के अंतर्गत मथुरा भरतपुर मार्ग पर मकहेरा नहर के समीप पैदल जा रहे युवक में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक मौके पर मौत हो गई। जबकि दोस्त बाल बाल बच गया।

थाना रिफानरी के गांव समसपुर निवासी महेश (19) पुत्र अंकित अपने दोस्त रामू के साथ मंशा देवी के दर्शन के लिए घर से आज सुबह करीब 7 बजे निकले थे। मथुरा भरतपुर मार्ग स्थित मकहेरा नहर के समीप पैदल जा रहे थे। तभी साढ़े आठ बजे सामने से आते अज्ञात वाहन ने युवक अंकित को टक्कर मार दी। घटना में अंकित की मौत हो गई। जबकि दोस्त रामू बच गया।

दुर्घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक अंकित की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। थाना प्रभारी हरीश चौधरी का कहना है कि अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत हो गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

किशोरी की मौत मामले में दो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, सौंख। कस्बा में ढेड़ माह पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों में जहर खाने से हुई नाबालिग की मौत मामले में दो नामजदों के खिलाफ थाना मगोर्रा में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस नामजदों की तलाश में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार थाना मगोरी के सौंख की नवीन कॉलोनी निवासी आकाश के घर में करीब डेढ़ माह पूर्व दो नामजद युवक घुस आए। और पीड़ित के परिवार से गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी। आरोप है कि

पुलिस ने जांच की शुरू

नामजदों ने मारपीट करते हुए बहन को हमारे साथ भेज दे नहीं तो तुम सभी को जान से मार दिया जाएगा। इससे दुखी होकर बहन ने जहर खा लिया। किशोरी को उपचार के लिए हॉस्पिटल ले गए। जहाँ उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मिली तहरीर पर अहमल निवासी शिवा उर्फ कलुआ और सौंख निवासी विपिन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

श्रीराधा रानी अलवेली सरकार में हुआ नौका विहार उत्सव

यूनिक समय, मथुरा। पुरुषोत्तम मास में संपूर्ण ब्रज मंडल भक्ति, श्रद्धा और धार्मिक उत्सवों के रंग में रंगा हुआ है। मंदिरों और आश्रमों में विशेष आयोजन किए जा रहे हैं। वहीं गोविंद नगर स्थित महाविद्या कॉलोनी के प्रसिद्ध श्री राधा रानी अलबेली सरकार मंदिर में प्रतिदिन विशेष श्रृंगार दर्शन, भजन–कीर्तन एवं धार्मिक उत्सवों का कार्यक्रम किया गया। मंदिर परिसर में अधिक मास के शुभारंभ से ही विशेष पूजा–अर्चना, संकीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दूर–दराज़ से आने वाले श्रद्धालु श्रीजी के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आध्यात्मिक आनंद का अनुभव कर रहे

पुरुषोत्तम मास में भक्ति रस से सराबोर हुआ ब्रज, श्री राधारानी अलबेली सरकार मंदिर

हैं। हाल ही में मंदिर में भव्य फूल बंगला उत्सव एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। रंग–बिरंगे पुष्पों से सुसज्जित ठाकुरजी के मनोहारी स्वरूप ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। आज श्री राधा रानी अलबेली सरकार का दिव्य नौका विहार उत्सव आयोजित किया गया। वहीं 15 जून को विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से आए भजन गायक अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

आगरा में छापे, मथुरा में बैचेनी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय,मथुरा। पड़ोसी जिले आगरा शहर में पिछले कई दिनों से नकली दवाओं पर भंडाफोड़ करने के लिए अभियान की खबर से मथुरा के कई दवा विक्रेता भी टेंशन में आ गए हैं। शंका जाहिर की जा रही है कि जांच टीम कभी मथुरा आकर छापे मार सकती हैं। इस दरम्यान तीन दिनों से चल रही औषधि विभाग की कार्रवाई के बीच रविवार को दो दवा कारोबारियों की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत की खबर ने व्यापारिक क्षेत्र को झकझोर दिया।

शास्त्रीपुरम निवासी और रिचा मेडिकल एजेंसी के संचालक प्रेम जेसवानी का रविवार सुबह निधन हो गया। वहीं लवकुश मेडिकल स्टोर के संचालक कमल कुमार की भी अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मृत्यु हो गई। दोनों घटनाओं के बाद दवा कारोबारियों में गहरा शोक है। बाजार में सुबह से ही इन मौतों को लेकर चर्चाओं का दौर चलता रहा और व्यापारियों के बीच असुरक्षा तथा तनाव का माहौल दिखाई दिया।

व्यापारियों के अनुसार प्रेम जेसवानी की फर्म पर कुछ महीने पहले औषधि विभाग ने कार्रवाई की थी। बताया जा रहा है कि इसके बाद से वे मानसिक तनाव में थे। चर्चाएं हैं कि उनकी मौत दवाओं की ओवरडोज के कारण हुई,

नकली दवाएं पकड़ने के लिए चल रही है कई दिनों से छापेमारी

मथुरा में भी अभियान चलाकर नकली दवाएं पकड़ी जाएं

हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्वजन और नजदीकी लोग इस मामले पर खुलकर कुछ भी कहने से बच रहे हैं। वहीं कारोबारी वर्ग में यह चर्चा तेज है कि लगातार चल रही विभागीय कार्रवाई और जांच के दबाव ने कई कारोबारियों को मानसिक रूप से प्रभावित किया है।

दूसरी ओर लवकुश मेडिकल स्टोर के संचालक कमल कुमार की रविवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें उपचार दिलाने की कोशिश की गई, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उनकी मौत हार्ट अटैक से हुई है। उनके निधन की सूचना मिलते ही दवा व्यापारियों और परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई। कई कारोबारी उनके आवास और प्रतिष्ठान पर पहुंचे। बताते चलें कि औषधि विभाग की कार्रवाई के चलते आगरा का थोक दवा बाजार लगभग ठप हो गया है। व्यापारियों के अनुसार करीब 95 प्रतिशत दुकानें बंद हैं। कई कारोबारी अपनी दुकानों और गोदामों को खोलने से बच रहे हैं।

नाबालिग की मौत के मामले में दो नामजदों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, मांट। थाना क्षेत्र के गांव लालगढ़ी के समीप नहर मे 5 जून को मिला शव कहीं गाजियाबाद के ओमकार का तो नहीं था। गाजियाबाद पुलिस ने इसके लिए मांट पुलिस से शव का शीघ्र डीएनए कराए जाने को कहा है।

गौरतलब है कि 5 जून को नग्न अवस्था में नहर से मिलने वाले शव मिलने के बाद थाना पुलिस ने अलीगढ़, गौतम बुद्ध नगर और गाजियाबाद पुलिस से शव की शिनाख्त कराने को सूचना भेजी थी। इसके बाद गाजियाबाद कमिश्नरेट के थाना लोनी के उप निरीक्षक शुभम जावाला ने मांट पुलिस से सम्पर्क कर बताया कि उनके थाना क्षेत्र में 30 मई को गांव गनौली के ओमकार सिंह

नहर में मिला शव गाजियाबाद के ओमकार तो नहीं

को पांच नामजद ने हत्या कर शव मांट ब्रांच गंग नहर में नग्न अवस्था में फेंक दिया था।

उप निरीक्षक ने बताया कि शव के फोटो और उनके यहां मौजूद ओमकार के फोटो से मिलान हो रहा है। फिर भी लोनी पुलिस ने मांट पुलिस से आग्रह किया है, कि जल्द से जल्द शव का डी एन ए करा दें, ताकि परिजनों के डी एन ए से मिलान हो सके और इस मामले में आगे की कार्रवाई की जा सके।

एनसीसी शिविर में कैडेटों को सिखाया अनुशासन का पाठ

यूनिक समय, वृंदावन। सामविद गुरुकुलम् बालिका सैनिक स्कूल, वृंदावन में चल रहे 11 यूपी बटालियन एनसीसी के संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। पीटी के बाद कैंप कमांडेंट कर्नल विक्रम त्यागी ने कैडेटों को संबोधित करते हुए एनसीसी के मूल मंत्र "एकता और अनुशासन" का पालन करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, ईमानदारी और आत्मविश्वास विकसित करती है। इसमें ओएमआर आधारित लिखित परीक्षा के साथ निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता भी कराई गई। साथ ही अलीगढ़ मुख्यालय द्वारा चयनित टीएसएसी कैडेटों को छह टीमों में बांटा गया और दिल्ली में होने वाली प्रतियोगिताओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर कैंप एडजुटेंट कैप्टन गोविंद, लेफ्टिनेंट राजकुमार, हुकम सिंह, लेफ्टिनेंट कपिल कौशिक, लेफ्टिनेंट अशोक कुमार, सूबेदार मेजर राजविंदर सिंह, सूबेदार जसविंदर सिंह, सूबेदार तेजेंद्र बहादुर सहित समस्त एनसीसी स्टाफ मौजूद रहा।

धड़ाम हुए हाथरस की हींग के दाम

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, हाथरस। 'एक जिला एक उत्पाद' में शामिल यहां की बनी हींग का जायका दुनिया भर में मशहूर हो रहा है। खाद्य सामग्री में चुटकी भर हाथरस की हींग का उपयोग वह स्वाद बनाता है कि लोग इसके मुरीद हो जाते हैं। हींग की कीमतों में पिछले करीब एक साल में काफी गिरावट आई है।

हाथरस में हींग बनाने में उपयोग किया जाने वाला दूध (रेजिन) अफगानिस्तान, तजाकिस्तान, कजाकिस्तान और इराक आदि देशों से आता है। इस कच्चे माल का उपयोग करके हाथरस में ऐसी हींग बनाई जाती है जो भोजन को लजीज बना देती है। हाथरस में बनी हुई हींग जहां देश के कोने–कोने में जाती है, वहीं विदेशों में भी लोगों को इसका तड़का बहुत भाता

है।

हाथरस जिले में हींग की एक दर्जन से अधिक बड़ी फैक्ट्रियां हैं। इसके अलावा जिले भर में कुटीर उद्योग के रूप में भी हींग का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। इस कारोबार से करीब दो से तीन हजार मजदूर जुड़े हुए हैं। जिले में हींग कारोबार का टर्नओवर 50 से 60 करोड़ रुपए प्रति वर्ष से अधिक का बताया जाता है।

हालांकि इस वक्त हींग की कीमतों काफी नीचे आ गई हैं। इसकी मुख्य वजह अफगानिस्तान में अधिक पैदावार होना है।

इसके अलावा अमेरिका–ईरान युद्ध के चलते पुराने स्टॉक की वजह से हींग के दामों में भारी गिरावट देखी जा रही है। जहां हाथरस में कुछ माह पहले नुकरा हींग के दाम 20 हजार रुपए प्रति किलो थे, वहीं अब यह घटकर करीब 15 हजार प्रति किलो हो गए हैं।

हींग दूध के दामों में भी कमी आई है। अफगानिस्तान, कजाकिस्तान, तजाकिस्तान से आने वाला हींग दूध जो कि 15 हजार रुपये के आसपास आता था, अब वह 9 हजार रुपए प्रति लीटर हो गया है। इसकी कीमतों में करीब 2 हजार से 3 हजार रुपये की गिरावट देखने को मिली है।

हींग निर्माता पारस हींग इंटरप्राइजेज के मालिक विशाल अग्रवाल ने बताया कि अमेरिका–ईरान युद्ध के कारण ईरान से आने वाली हींग के दामों में बढ़ोतरी देखने को मिली है, वहीं अफगानिस्तान, कजाकिस्तान और तजाकिस्तान से आने वाली हींग के दामों में काफी गिरावट आई है। नुकरा हींग के रेट में पिछले एक साल में प्रति किलोग्राम पर 4 से 5 हजार रुपये की गिरावट आ गई है।

उन्होंने बताया कि दाम घटने का एक मुख्य कारण यह भी है कि फसल ज्यादा हो रही है और एक हाईब्रीड हींग का उत्पादन भी बढ़ गया है। वह असली हींग को मार्केट में टक्कर दे रही है। इसके कारण रेट में काफी गिरावट आई है। इसके कारण हींग बाजार में काफी सस्ती हो गई है।